राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण शुक्रवार, 15 जुलाई 2022 वर्ष–5,अंक–170 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

उपराष्ट्रपति चुनाव में गुलाम नबी आजाद होंगे विपक्ष के साझा उम्मीदवार !

दिल्ली की राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज

नयी दिल्ली। वर्तमान में राष्ट्रपति चुनाव को लेकर देश में राजनीतिक सरगर्मियां जारी है। 18 जुलाई को राष्ट्रपति चुनाव के लिए वोट डाले जाएंगे। इन सबके बीच उपराष्ट्रपति चुनाव को लेकर भी तारीखों का ऐलान हो गया है। 6 अगस्त को उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होंगे। इन सब के लिए सबसे बड़ा सवाल यही है उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए उम्मीदवार कौन होगा? क्या सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच आम सहमति बनेगी या दोनों ओर से अलग-अलग उम्मीदवार उतारे जाएंगे। इन सबके बीच दिल्ली की राजनीतिक गलियारों में एक खबर को खूब तैर रही है। सूत्रों ने बताया है कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गुलाम नबी आजाद विपक्ष के साझा उम्मीदवार हो सकते हैं। हालांकि यह बात भी सच है कि कुछ विपक्षी दल इसके खिलाफ है। वहीं, कांग्रेस की ओर से अपने उम्मीदवार के नाम को लेकर विचार साझा नहीं किए गए हैं। पार्टी की ओर से यह बयान भी सामने

आ गया है कि वह इस चुनाव के लिए किसी नाम का सुझाव नहीं देने जा रही है। उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार को लेकर कांग्रेस नेता मलिकार्जुन खड़गे से पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि विपक्षी पार्टियों की सर्वदलीय चर्चा के बाद ही इस पर निर्णय लिया जाएगा कि हमारा उम्मीदवार कौन होगा। हालांकि यह बात भी सच है कि पिछले 2 दिनों से कांग्रेस आलाकमान जम्मू कश्मीर के नेताओं के साथ मैराथन बैठक कर रही है। इस बैठक में जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गुलाम नबी आजाद भी शामिल हुए थे। खबर यह भी निकल कर आ रही है कि गुलाम नबी आजाद हो जम्मू कश्मीर में भी बड़ी भूमिका सौंपी जा सकती है। लेकिन सबसे ज्यादा अटकले उनके उपराष्ट्रपति पद के चुनाव में उम्मीदवारी को लेकर लगाई जा रही है।

भाजपा संसदीय बोर्ड की बैठक

आगामी उपराष्ट्रपति चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवार का नाम तय करने के लिए इसी सप्ताह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की संसदीय बोर्ड की बैठक होगी। उपराष्ट्रपति का निर्वाचन संसद के दोनों सदनों के सदस्यों से मिलकर बनने वाले निर्वाचकगण द्वारा आनुपातिक प्रतिनिधित्व पद्धति के अनुसार एकल संक्रमणीय मत द्वारा होता है और ऐसे निर्वाचन में मतदान गुप्त होता है। आंकड़ों के लिहाज से देखा जाए तो इसमें राजग उम्मीदवार का पलड़ा भारी है। भाजपा सूत्रों का कहना है कि बैठक से पहले उम्मीदवार के नाम पर आम सहमति बनाने के प्रयासों के तहत पार्टी की ओर से विपक्षी दलों से भी संपर्क साधा जाएगा।

पूरी दिल्ली में 30 जगह लगाए गए 'विस्फोटक', महज 12 को तलाश पाई पुलिस

नई दिल्ली। राजधानी में पुलिस विभागों की तैयारियों की जांच करने के लिए दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने पिछले एक महीने में हाई फुटफॉल (ज्यादा जोखिम) वाले स्थानों में 30 डमी इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) लगाई। इसमें से सार्वजनिक, निजी सुरक्षा गार्ड और स्थानीय पुलिस केवल 12 का ही पता लगा पाई। भारतीय उपमहाद्वीप में अल-कायदा द्वारा एक चेतावनी जारी करने के बाद डमी आईईडी प्लांट करने का फैसला लिया गया था। आतंकी संगठन ने बीजेपी की निलंबित नेता नुपूर शर्मा के विवादित बयान को लेकर दिल्ली, मुंबई, उत्तर प्रदेश और गुजरात में आत्मघाती बम विस्फोट करने की चेतावनी दी है। हाल ही में एक अपराध समीक्षा बैठक के दौरान विशेष पुलिस आयुक्त (स्पेशल सेल) हरगोबिंदर सिंह धालीवाल ने पुलिस आयुक्त राकेश अस्थाना के सामने इस तरह के नकली घुसपैठ अभ्यास करने को लेकर प्रजेंटेशन दी थी।

जनता ने ढूंढी दो आईईडी

रिपोर्ट के अनुसार, एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, 15 डमी आईईडी का पहला बैच 12 जून को दिल्ली के जिलों में लगाया गया था, और उनमें से 10 का पता चला था। दक्षिणपूर्व और उत्तरी जिलों में 10 में से दो का पता जनता ने, तीन का दक्षिण, रोहिणी और बाहरी जिलों के मॉल के सुरक्षा गार्डों ने और पांच का उत्तर, पूर्वोत्तर, पूर्व, उत्तर-पश्चिम और बाहरी उत्तर जिलों की स्थानीय पुलिस ने लगाया था। धालीवाल ने पुलिस प्रमुख को यह भी बताया कि 28 जून को फिर से सभी जिलों में 15 डमी आईईडी का एक और बैच लगाया गया था, लेकिन इस बार 13 का पता नहीं चल सका। जिन दो का पता चला था उन्हें उत्तरी सीमा में लगाया गया था। एक अधिकारी ने कहा, स्पेशल सेल द्वारा खुले तौर पर आईईडी लगाए गए थे। एक फूलदान में, एक मॉल में कूड़ेदान के पास और एक पालिका बाजार के गेट के बाहर।

मोदी सरकार की सच्चाई दिखाने के लिये इस्तेमाल सारे शब्द असंसदीय माने जाएंगे-कांग्रेस

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने जुमलाजीवी और कई अन्य शब्दों को 'असंसदीय अभिव्यक्ति' की श्रेणी में रखे जाने को लेकर बृहस्पतिवार को सरकार पर निशाना साधा और कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार की सच्चाई दिखाने के लिए विपक्ष द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले सभी शब्द अब असंसदीय माने जाएंगे। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने ट्वीट किया, मोदी सरकार की सच्चाई दिखाने के लिए विपक्ष द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले सभी शब्द अब असंसदीय माने जाएंगे। अब आगे क्या विषगुरु? उल्लेखनीय है कि संसद के दोनों सदनों लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही के दौरान सदस्य अब चर्चा में हिस्सा लेते हुए जुमलाजीवी, बाल बुद्धि सांसद, शकुनी, जयचंद, लॉलीपॉप, चाण्डाल चौकड़ी, गुल खिलाए, पिठ्ठू जैसे शब्दों का इस्तेमाल नहीं कर सकेंगे। ऐसे शब्दों के प्रयोग को अमर्यादित आचरण माना जायेगा और वे सदन की कार्यवाही का हिस्सा नहीं होंगे। दरअसल, लोकसभा सचिवालय ने '' असंसदीय शब्द 2021 '' शीर्षक के तहत ऐसे शब्दों एवं वाक्यों का नया संकलन तैयार किया है जिन्हें 'असंसदीय अभिव्यक्ति' की श्रेणी में रखा गया है। संसद के मानसून सत्र से ठीक पहले, सदस्यों के उपयोग के लिये जारी किये गए इस संकलन में ऐसे शब्द या वाक्यों को शामिल किया गया है जिन्हें लोकसभा, राज्यसभा और राज्यों के विधानमंडलों में वर्ष 2021 में असंसदीय घोषित किया गया था।

हामिद अंसारी मामले में भाजपा पर भड़के जयराम रमेश, बोले- झूठ उनका पेटेंट ब्रांड

नई दिल्ली। तत्कालीन उपराष्ट्रपति रहे हामिद अंसारी के निमंत्रण पर पाकिस्तानी पत्रकार नुसरत मिर्जा के सनसनीखेज दावे के बाद भारत में इस पर बवाल मचा हुआ है। खुद हामिद अंसारी की सफाई के बाद अब कांग्रेस ने भी भाजपा पर निशाना साधा है। पार्टी नेता जयराम रमेश ने निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा सार्वजनिक बहस को खत्म करने और झूठ के अपने पेटेंट ब्रांड को फैलाने के लिए जिस स्तर तक गिरेंगे, वह चौंका देने वाला है। दरअसल, कांग्रेस के महासचिव और संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने अपने एक बयान में आरोप लगाया है कि प्रधानमंत्री और उनके पार्टी सहयोगियों द्वारा सार्वजनिक संवाद का स्तर गिराने और झूठ को विस्तारित करने के लिए हो रहे प्रयास शर्मनाक हैं। यह रवैया मानसिक बीमारी और सत्यनिष्ठा के दिवालियापन को भी दर्शाता है। इतना ही नहीं कांग्रेस की तरफ से यह भी कहा गया है कि 11 दिसंबर, 2010 को नई दिल्ली में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद और मानवाधिकारों पर न्यायविदों के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के बारे में सभी तथ्य पहले से ही सार्वजनिक पटल पर हैं। भाजपा प्रवक्ता का दुष्प्रचार सबसे निम्न स्तर का चरित्र हनन है। इससे पहले पूरे मामले पर पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी ने भी चुप्पी तोड़ी।

पंचायत में उतरा इश्क का भूत, शादी से इनकार पर साली ने जीजा को चप्पलों से पीटा–अपने बयान में अंसारी ने सभी आरोपों को सिरे से नकार दिया है। उन्होंने कहा कि न तो उन्होंने कभी नुसरत मिर्जा को भारत बुलाया और न ही वह उनसे मिले। अंसारी ने कहा कि मीडिया का एक धड़ा और भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता मेरे बारे में झूठ फैला रहे हैं कि उपराष्ट्रपति रहते हुए मैंने पाकिस्तानी पत्रकार नुसरत मिर्जा को बुलाया था। सभी जानते हैं कि सरकार की सलाह पर ही विदेशी एक्सपर्ट्स को बुलाया जाता है।

उन्होंने बयान में कहा कि मैंने 11 दिसंबर 2011 को आतंकवाद पर कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन किया था। जिन लोगों को बुलाया गया था उनकी लिस्ट आयोजकों द्वारा ही बनाई गई थी। मैंने न तो उन्हें कभी बुलाया और न ही मुलाकात की।

महाराष्ट्र सहित इन राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी

नई दिल्ली। बारिश के चलते देश के कई राज्यों में हालात बदतर हो चुके हैं। पूर्वोत्तर में असम बाढ़ से जूझ ही रहा है, इसके अलावा गुजरात से लेकर महाराष्ट्र तक बारिश और बाढ़ से बुरा हाल है। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे में हैदराबाद, गोवा, गुजरात, महाराष्ट्र, मराठवाड़ा और तेलंगाना में बहुत अधिक भारी बारिश का अनुमान जताया है। इसके अलावा ओडिशा, कर्नाटक, तमिलनाडु और केरल में भारी से बहुत भारी बारिश की आशंका है।

मुंबई और गुजरात के शहरी इलाकों में पानी भर गया है। यहां के ग्रामीण इलाकों में भी बाढ़ ने भारी तबाही मचाई है। इसके अलावा उत्तराखंड और हिमाचल में बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर रखा है।वहीं बृहन्मुंबई नगर निगम ने मुंबई व आसपास के स्थानों पर बहुत भारी से अत्यधिक भारी वर्षा की संभावना व्यक्त की है। इस दौरान 45-55

किमी प्रति घंटे की रफ्तार से 60 किमी प्रति घंटे तक तेज हवाएं चल सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक 14 जुलाई को पश्चिम मध्य प्रदेश और तेलंगाना में बहुत भारी बारिश हो सकती है। वहीं 13 और 17 जुलाई को को पूर्वी मध्य प्रदेश, 14 और 17 को विदर्भ, 16 और 17 को छत्तीसगढ़, 13 से 16 जुलाई के दौरान ओडिशा, 15 जुलाई को कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और गुजरात क्षेत्र में भारी बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक तटीय कर्नाटक, केरल, छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों, मराठवाड़ा, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, दक्षिण-पूर्वी राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड में हल्की से मध्यम बारिश के साथ कुछ स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है और पंजाब के एक या दो स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है। आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण तेलंगाना, तटीय आंध्र प्रदेश, लक्षद्वीप, जम्मू कश्मीर, हरियाणा और दिल्ली के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश संभव है। झारखंड, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु और बिहार में एक या दो स्थानों पर हल्की बारिश हो सकती है।

बल्ताकार के आरोपी ने काटी तय समय से अधिक सजा, अब दिए जाएंगे 7.5 लाख

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय नेछत्तीसगढ़ सरकार को निर्देश दिया है कि वह सजा की अवधि पूरी होने के बावजूद जेल में रखे जाने पर दुष्कर्म के एक दोषी को 7.5 लाख रुपये का मुआवजा दे। न्यायमूर्ति अजय रस्तोगी और न्यायमूर्ति सी. टी. रविकुमार ने रेखांकित किया कि याचिकाकर्ता युवा है और उसे लंबे समय तक तथा गैर कानूनी तरीके से मौलिक अधिकारों से वंचित रखा गया। इसके अलावा उसने अतिरिक्त अवैध हिरासत की वजह से मानसिक पीड़ा सही। शीर्ष अदालत उस व्यक्ति की याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसने छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के एक फैसले को चुनौती दी थी।

उच्च न्यायालय ने व्यक्ति को भारतीय दंड संहिता की धारा-376 (दुष्कर्म) के तहत दोषी करार देने की निचली अदालत के फैसले की पुष्टि की थी, लेकिन सजा 12 साल से घटाकर सात साल सश्रम कारावास कर दी थी। मामले पर सुनवाई करते हुए शीर्ष अदालत ने पाया कि व्यक्ति को सुनाई गई सजा से अधिक अवधि तक जेल में रखा गया। याचिकाकर्ता को 10 साल तीन महीने और 16 दिनों तक कारावास में रखा गया था।

नवजोत सिंह सिद्धू को जेल में सता रहे कैदी, कैंटीन कार्ड का उठा रहे फायदा, शिकायत दर्ज

चंडीगढ़। पटियाला सेंट्रल जेल में बंद पंजाब कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू परेशान चल रहे हैं। खबर है कि उन्होंने कथित तौर पर कैंटीन कार्ड के गलत इस्तेमाल को लेकर एक साथी कैदी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। सिद्धू 1988 के एक रोड रेज मामले में एक साल की सजा काट रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने मई 2022 में उन्हें सजा सुनाई थी। रिपोर्ट के अनुसार, सिद्धू की पत्नि डॉक्टर नवजोत कौर ने बताया कि वह फल खरीदने के लिए दो साथी कैदियों को अपना कार्ड दे देते थे। उन्होंने आगे जानकारी दी कि कैंटीन कार्ड रिचार्ज होने के कुछ दिन बाद ही 15 हजार रुपये की सीमा पूरी हो जाती थी, जिसके चलते शिकायत की गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, पंजाब डीजीपी

(जेल) हरप्रीत सिंह सिद्धू ने बताया, 'सिद्धू ने जेल अधिकारियों को जानकारी दी है कि एक साथी कैदी ने उनके कैंटीन कार्ड का गलत इस्तेमाल किया है। इस संबंध में मामले की पुष्टि की गई और साथी कैदी को सिद्धू के वार्ड से शिफ्ट किया गया है।' हालांकि, उन्होंने सिद्धू के साथी कैदी के साथ बहस की खबरों का खंडन किया है। पुलिस अधिकारी ने कहा, 'कैदियों को शिफ्ट करना सामान्य जेल रुटीन है। सिद्धू की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया गया है।'

18 वर्ष से ऊपर के लोगों को मुफ्त में लगेगी बूस्टर डोज, नई रेलवे परियोजना को भी मंजूरी; मोदी कैबिनेट के बड़े फैसले

पंजाब के जेल मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने सिद्धू की झगड़े की खबरों से इनकार किया है। समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, उन्होंने कहा, 'कोई झगड़ा नहीं हुआ है। यह 4 दिन पुराना मामला है। हर कैदी को कार्ड जारी किया जाता है। सिद्धू का कहना है कि कैदी ने उनके कार्ड पर अपने लिए राशन ले लिया था। ऐसी खबरें चलाने वाले चैनलों के खिलाफ लीगल नोटिस जारी किया जाएगा।'

2009 दंतेवाड़ा कांड : SC में कुमार की याचिका खारिज, अदालत ने 5 लाख रुपये का जुर्माना लगाया

नई दिल्ली। नक्सल विरोधी अभियान के दौरान छत्तीसगढ़ में आदिवासियों की न्यायेतर हत्या की जांच को लेकर 13 साल पुरानी याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया है। साथ ही अदालत ने याचिकाकर्ता 5 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है। इसके अलावा शीर्ष अदालत ने यह जांच की अनुमति दी है कि कुछ लोग और संगठन कोर्ट का इस्तेमाल कथित तौर पर वामपंथी चरमपंथियों के बचाने के लिए तो नहीं कर रहे हैं।

जस्टिस एएम खानविलकर और जस्टिस जेबी पारदीवाला ने आदिवासी अधिकार कार्यकर्ता हिमांशु कुमार और 12 अन्य लोगों की तरफ से साल 2019 में दाखिल याचिका पर फैसला सुनाया। अदालत ने 19 मई को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। साथ ही कोर्ट ने याचिकाकर्ता कुमार को चार हफ्तों के अंदर 5 लाख रुपये की जुर्माना जमा करने के आदेश दिए हैं।

राशि जमा नहीं करने की स्थिति में कुमार के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। खास बात है कि याचिकाकर्ता को माओवादियों के साथ सहानुभूति रखने वाले के तौर पर जाना जाता है। उन्होंने ने दंतेवाड़ा में साल 2009 में 17

आदिवासियों की हत्या के मामले में छत्तीसगढ़ पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा बलों के खिलाफ सीबीआई जांच की मांग की थी।

कुमार ने साल 2009 में दंतेवाड़ा जिले की तीन अलग-अलग घटनाओं में 17 ग्रामीणओं की मौत को लेकर अपनी तरफ से रिकॉर्ड गए बयानों के आधार पर याचिका दायर की थी।

फरवरी 2010 में एपेक्स कोर्ट ने दिल्ली के जिला जज जीपी मित्तल को 12 आदिवासी याचिकाकर्ताओं के बयान रिकॉर्ड करने के लिए कहा था। कोर्ट ने पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी की बात भी कही थी। साथ ही उन्होंने सुरक्षा देने के भी आदेश जारी किए थे। इसके बाद जिला जज ने 19 मार्च 2010 को बयानों के संबंध में रिपोर्ट दाखिल की थी। तब शीर्ष अदालत ने सभी पक्षों को रिपोर्ट देने के आदेश दिए थे।

इस साल केंद्र ने गृहमंत्रालय के जरिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। याचिका में कहा गया था कि जिला जज की एक रिपोर्ट कोर्ट रिकॉर्ड्स से गायब हो गई थी, जो सरकार को मार्च 2022 में मिली। केंद्र के अनुसार, रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि शिकायतकर्ताओं ने जिला जज के सामने बयान दिए थे कि कुछ अज्ञात लोगों ने जंगल से आकर ग्रामीणों की हत्या की है। साथ ही किसी ने भी सुरक्षा बलों के सदस्यों पर सवाल नहीं उठाए थे। इसके बाद केंद्र ने कोर्ट से किसी भी केंद्रीय एजेंसी को जांच के निर्देश देने की अपील की थी। इसके जरिए उन लोगों और संगठनों की पहचान की बात की गई थी, जो हिंसक माओवादी गतिविधियों को बचाने के लिए मुकदमेबाजी में शामिल हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार इच्छाओं के सामने आते ही सभी प्रतिज्ञाएं ताक पर धरी रह जाती हैं। - अज्ञात

संपादकीय

श्रीलंकाः भारत पहल करे

(लेखक-डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

श्रीलंका के राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्ष ने घोषणा की थी कि वे 13 जुलाई को अपने पद से इस्तीफा देंगे लेकिन अभी तक वे श्रीलंका से भागकर कहां छिप रहे हैं, इसी का ठीक से पता नहीं चल रहा है। कभी कहा जा रहा है कि वे मालदीव पहुंच गए हैं और अब वहां से वे मलेशिया या सिंगापुर या दुबई में शरण लेंगे। इधर श्रीलंका में प्रधानमंत्री रनिल विक्रमसिंघ अपने आप कार्यवाहक राष्ट्रपति बन गए हैं। उन्हें किसने कार्यवाहक राष्ट्रपति बना दिया है, यह भी पता नहीं चला है। वैसे माना जा रहा था कि उन्होंने भी प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है। वे कहां से राज चला रहे हैं, यह भी नहीं बताया गया है। राष्ट्रपति भवन में जनता ने कब्जा कर रखा है और रनिल के घर को भी जला दिया गया है। रनिल विक्रमसिंघ को श्रीलंका में कौन कार्यवाहक राष्ट्रपति के तौर पर स्वीकार करेगा? अब तो श्रीलंकाई संसद ही राष्ट्रपति का चुनाव करेगी लेकिन बड़ा सवाल यह है कि इस संसद की कीमत ही क्या रह गई है? राजपक्ष की पार्टी की बहुमतवाली संसद को अब श्रीलंका की जनता कैसे बर्दाश्त करेगी? विरोध पक्ष के नेता सजित प्रेमदास ने दावा किया है कि वे अगले राष्ट्रपति की जिम्मेदारी लेने को तैयार हैं लेकिन 225 सदस्यों की संसद में राजपक्ष की सत्तारुढ़ पार्टी की 145 सीटें हैं और प्रेमदास की पार्टी की सिर्फ 54 सीटें हैं। यदि प्रेमदास को सभी विरोधी दल अपना समर्थन दे दें तब भी वे बहुमत से राष्ट्रपति नहीं बन सकते। सजित काफी मुंहफट नेता हैं। उनके पिता रणसिंह प्रेमदास भी श्रीलंका के प्रधानमंत्री रहे हैं। उनके साथ यात्रा करने और कटु संवाद करने का अवसर मुझे कोलंबो और अनुराधपुरा में मिला है। वे भयंकर भारत-विरोधी थे। इस समय सबको पता है कि भारत की मदद के बिना श्रीलंका का उद्धार असंभव है। यदि सजित प्रेमदास संयत रहेंगे और सत्तारुढ़ दल के 42 बागी सांसद उनका साथ देने को तैयार हो जाएं तो वे राष्ट्रपति का पद संभाल सकते हैं लेकिन राष्ट्रपति बदलने पर श्रीलंका के हालत बदल जाएंगे, यह सोचना निराधार है। सबसे बड़ा आश्चर्य यह है कि इन बुरे दिनों में श्रीलंका की प्रचुर सहायता के लिए चीन आगे क्यों नहीं आ रहा है? राजपक्ष परिवार तो पूरी तरह चीन की गोद में ही बैठ गया था। चीन के चलते ही श्रीलंका विदेशी कर्ज में डूबा है। चीन की वजह से अमेरिका ने चुप्पी साध रखी है। लेकिन भारत सरकार का रवैया बहुत ही रचनात्मक है। वह कोलंबो को ढेरों अनाज और डॉलर भिजवा रहा है। भारत जो कर रहा है, वह तो ठीक ही है लेकिन यह भी जरुरी है कि वह राजनीतिक तौर पर जरा सक्रियता दिखाए। जैसे उसने सिंहल-तमिल द्वंद्व खत्म कराने में सक्रियता दिखाई थी, वैसे ही इस समय वह कोलंबो में सर्वसमावेशी सरकार बनवाने की कोशिश करे तो वह सचमुच उत्तम पड़ौसी की भूमिका निभाएगा। ज़रा याद करें कि इंदिराजी ने 1971 में प्रधानमंत्री श्रीमावो बंदारनायक के निवेदन पर रातोंरात उनको तख्ता-पलट से बचाने के लिए केरल से अपनी फ़ौजें कोलंबो भेज दी थीं और राजीव गांधी ने 1987 में भारतीय शांति सेना को कोलंबो भेजा था।

तकनीकी शब्दावली से समृद्ध होंगी भारतीय भाषाएं

अशोक उपाध्याय

केंद्र सरकार देश को शिक्षा के सीमित सोच के दायरे से निकालकर 21वीं सदी के आधुनिक विचारों से जोड़ना चाहती है जहां मेधा की कभी कमी नहीं रही है। केंद्र की यह चिंता वाजिब है कि यहां ऐसी व्यवस्था बना दी गई थी, जिसमें पढ़ाई का मतलब केवल और केवल नौकरी ही माना जाने लगा था। प्रधानमंत्री मोदी का मत है कि शिक्षा में यह विकार गुलामी के कालखंड में अंग्रेजों ने अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए, अपने लिए एक सेवक वर्ग तैयार करने के लिए पैदा किया था। आजादी के बाद, इसमें थोड़ा-बहुत बदलाव तो हुआ लेकिन बहुत सारा बदलाव रह गया। अंग्रेजों की बनाई व्यवस्था कभी भी भारत के मूल स्वभाव का हिस्सा नहीं थी और न हो सकती है। यह सवाल गौर करने यो य है कि बौद्धिक दायरा किसी भाषा विशेष का ज्ञान रखने वालों तक ही सीमित क्यों रहना चाहिए। यह भावनात्मक मुद्दा नहीं है बल्कि इसके पीछे वैज्ञानिक कारण भी रहे हैं। दुनिया चौथी औद्योगिक क्रांति के दौर से गुजर रही है और पिछली तीन औद्योगिक क्रांति के अनुसंधान में हम पिछड़ गये। प्रधानमंत्री ने इसकी वजह गिनाते हुए स्पष्ट किया है कि गुलामी के कालखंड में भारतीय भाषाओं की उपेक्षा हुई और अनुसंधान की भाषा को सिर्फ एक-दो भाषाओं तक सीमित रखा गया। उन्होंने सभी भारतीय भाषाओं को धनी बनाने के सरकार के राष्ट्रीय भाषा अनुवाद मिशन का जिक्र किया, जिसका मकसद साफ है कि भारतीय भाषाओं में तकनीकी शब्दावलियां उपलब्ध हों। इंटरनेट पर ज्ञान और सूचना का बहुत बड़ा भंडार है जिसे हर कोई अपनी भाषा में जान सके और इस मकसद को पूरा करने के लिये भाषीनी प्लेटफार्म लांच किया गया है। प्रधानमंत्री ने जिस भाषा का नाम नहीं लिया, वह अंग्रेजी है। इतिहास है कि भारत में मिशनरी स्कूलों की शुरुआत 16वीं सदी में हुई और पुर्तगालियों ने पहले गोवा और कोच्चि में ऐसे स्कूलों की स्थापना की। अंग्रेजी हुकूमत आने के बाद 18वीं सदी से मिशनरी स्कूलों का तेजी से विस्तार हुआ और आज ऐसे स्कूल एवं कॉलेज देश के लगभग हर बड़े शहर में मौजूद हैं। इन स्कूल-कॉलेजों में शिक्षा एवं बोलचाल की भाषा अंग्रेजी है और उसे बड़ी सख्ती से लागू किया जाता है।

हर भाषा का अपना दायरा और महत्व है और भारत सदैव से अनगिनत भाषाओं को समाहित करने में सक्षम रहा है। भारत में हर भाषा फली-फूली है और बोलचाल से लेकर साहित्य रचना में उसका योगदान सर्वविदित है। नरेंद्र मोदी ने पिछले दिनों मुख्य न्यायाधीशों के सम्मेलन में अदालतों में स्थानीय भाषाओं के इस्तेमाल पर भी जोर दिया था। उन्होंने कहा कि अंग्रेजी में न्यायिक प्रक्रिया और फैसले समझना मुश्किल होता है। स्थानीय भाषाओं के प्रयोग से न्याय प्रणाली में आम नागरिकों का विश्वास बढ़ेगा और वे इससे अधिक जुड़ाव महसूस करेंगे। यह एक तरह से सामाजिक न्याय होगा। प्रधानमंत्री की यह सद्इच्छा भी न्यायसंगत है और उसे लागू करने की दिशा में भले ही अनेक कठिनाइयां हों लेकिन उसे अमल में लाने के प्रयास से न्याय प्रणाली मजबूत होगी। बिना विवाद में पड़े ऐतिहासिक तथ्यों को जानने का प्रयास करें। 18वीं सदी के आरंभ होने तक भारत में हिंदी मुख्य भाषा नहीं थी और काफी हद तक संपर्क भाषा भी नहीं थी। मुख्य रूप से संस्कृत, अरबी और फारसी का कामकाज की भाषा के रूप में इस्तेमाल होता था। अंग्रेजी हुकूमत के आने के बाद गवर्नर जनरल वारेन हेस्टिंग्स ने भारत को समझने के लिये हिंदी या उर्दू भाषा को नहीं बल्कि फारसी भाषा को प्राथमिकता दी। वास्तव में उसे आभास हो गया था कि भारत को समझने के लिये इसकी भाषाई विविधता को समझना और इनका संरक्षण अनिवार्य है। सांस्कृतिक विविधताओं से भरा भारत ऐसा देश है जहां हर चालीस कोस के बाद बोली और रहन-सहन में अंतर देखने को मिलता है। अंग्रेज अफसरों के लिए संस्कृत, अरबी और फारसी भाषा का ज्ञान अनिवार्य कर दिया गया था। आठ फरवरी, 1812 को जारी एक सरकारी अध्यादेश में स्पष्ट लिखा गया कि जनहित से जुड़े सरकारी पदों पर तैनात अफसरों के लिए तीनों भाषाओं का ज्ञान जरूरी है। प्रशासनिक सेवा के अफसरों को बाकायदा तीनों भाषाओं का प्रशिक्षण दिया जाता था। अदालत और रजिस्ट्री के दस्तावेज भी इन्हीं भाषाओं में लिखने होते थे। बीसवीं सदी तक भारतीय प्रशासनिक सेवा में इन्हीं तीनों भाषाओं का इस्तेमाल देखा जा सकता है। दरअसल उन्नीसवीं सदी में अंग्रेज शासन के दौरान अंग्रेजी को शिक्षा का माध्यम बनाने की कवायद शुरू हो गई, अंग्रेजी के साथ हिंदी एवं उर्दू का इस्तेमाल बढ़ता चला गया और संस्कृत, अरबी और फारसी का इस्तेमाल कम होता चला गया। आजादी मिलने के बाद 1960 के दशक में हिंदी और क्षेत्रीय भाषाओं को लेकर राजनीतिक बवाल हुआ था। दक्षिण भारत के लोगों के मन में यह शंका पैदा की गई कि उन पर हिंदी थोपने की कोशिश की जा रही है जो पूरी तरह से आधारहीन थी। उस समय तक अंग्रेजी सरकारी भाषा का रूप ले चुकी थी, लेकिन आजाद भारत में एक राष्ट्रीय भाषा की जरूरत को महसूस किया गया, जिसकी वजह अपनी पहचान को बनाये रखना था। चूंकि आबादी के लिहाज से हिंदी सबसे ज्यादा बोली और समझी जाती थी इसलिये उसके विस्तार की कल्पना की गई। कभी किसी सरकार ने हिंदी को गैर-हिंदी भाषी लोगों पर थोपने की कोशिश नहीं की। अगर गुलामी से पहले भारत के कालखंड को देखेंगे तो शिक्षा में अलग-अलग कलाओं की धारणा थी और बनारस इसका जीवंत उदाहरण है। बनारस ज्ञान का केंद्र केवल इसलिए नहीं था कि यहां अच्छे गुरुकुल और शिक्षण संस्थान थे। बनारस ज्ञान का केंद्र इसलिए था कि यहां ज्ञान और शिक्षा के बहुआयामी क्षेत्र थे। मोदी मानते हैं कि शिक्षा में यही विविधता हमारी शिक्षा व्यवस्था का भी प्रेरणास्रोत होनी चाहिए। हम केवल डिग्री धारक युवा तैयार न करें, बल्कि देश को आगे बढ़ाने के लिए मानव संसाधनों की जरूरत के अनुसार शिक्षा व्यवस्था हो। इस संकल्प का नेतृत्व देश के शिक्षकों और शिक्षण संस्थानों को करना है और वे जितनी तेजी से इस भावना को आत्मसात करेंगे, देशहित में होगा। दरअसल, केंद्र सरकार राष्ट्रीय शिक्षा नीति में इन तमाम पहलुओं को समाहित करने के साथ देश की हर भाषा को धनी बनाने के लिए काम कर रही है। लेकिन इस हकीकत को ध्यान में रखना होगा कि औद्योगिक क्रांति के नये दौर में अनुसंधान के दस्तावेज अंग्रेजी में ज्यादा उपलब्ध होते हैं, ऐसे में उनका सटीक अनुवाद जरूरी है जिसे गूगल अनुवाद से पूरा नहीं किया जा सकता। केंद्र के साथ हर राज्य को अपनी क्षेत्रीय भाषा में इंटरनेट के युग के हिसाब से अनुवाद की सुविधा मुहैया कराने के लिये आगे आना चाहिए ताकि वे भविष्य में संरक्षित रहें।

लेखक यूनीवार्ता के संपादक रहे हैं।

मानसिकता बदलने को सामूहिक पहल जरूरी

मानवाधिकार उल्लंघन/ मोहिन्द्र सिंह

मानवाधिकार व्यक्ति के वे अधिकार हैं जो उसे मानव होने के नाते मिलते हैं और जिनके अभाव में कोई भी व्यक्ति अपना पूर्ण विकास नहीं कर सकता। मानवाधिकार मानव को भय, भूख एवं शोषण से मुक्ति दिलाने व सर्वांगीण विकास के लिए ज़रूरी होते हैं। ये अधिकार सर्वमान्य होते हैं और जाति, लिंग, वर्ग, धर्म या मत के आधार पर कोई भेदभाव नहीं किया जा सकता। ये अधिकार प्रत्येक नागरिक को मिलने चाहिए। भारतीय संविधान की प्रस्तावना में सभी नागरिकों की सुरक्षा, न्याय, स्वतंत्रता, भाईचारा, राष्ट्रीय एकता का वचन दिया गया है। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा जो मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा 10 दिसंबर, 1948 को की गई और जिसे संघ की महासभा में स्वीकृति दी गई, वह एक महत्वपूर्ण घोषणा साबित हुई। हमारे संविधान में नागरिकों को दिए मौलिक अधिकार तथा राजनीति के सिद्धांत इस बात की गवाही देते हैं कि सरकारों द्वारा मानवाधिकारों की रक्षा की उचित व्यवस्था की गई है। लेकिन व्यवहार में देखते हैं कि दिन-प्रतिदिन इन अधिकारों की अवहेलना-उल्लंघन होता है। राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2018-19 में मानवाधिकारों के उल्लंघन के 89,584 मामले थे, 2019-20 में 76,628 मामले थे तथा 2021-22 में अक्तूबर, 2021 तक 64,170 मामले दर्ज हुए। यदि अकेले उत्तर प्रदेश की बात करें तो क्रमानुसार इन मामलों की संख्या 41,947 मामले, 32,693 मामले तथा 24,242 मामले थी। इस प्रकार उ.प्र. देश में मानवाधिकार उल्लंघन के मामलों में पहले स्थान पर रहा। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के पास मई, 2022 में मृत्यु से संबंधित 208 केस, बंधुआ मजदूरों के 43, पुलिस हिरासत में मृत्यु के 4, बच्चों के 51, महिलाओं के 439, एस.सी., एस.टी. व पिछड़ी श्रेणी के 84 तथा 7519 अन्य मामले रजिस्टर्ड करवाए गए। ये आंकड़े मानवाधिकारों के बड़े उल्लंघन की ओर संकेत करते हैं। आमतौर पर पुलिस द्वारा किये गए मानवाधिकार उल्लंघन मामले सम्मिलित हैं। ग़ैरक़ानूनी या अवैध हिरासत, दुर्व्यवहार, हिरासत में यातना, पुलिस द्वारा थर्ड डिग्री का टॉर्चर, प्रताड़ना या डराना, अपराध की जांच न करना, दबंगों पर कार्रवाई करने से बचना, हिरासत में मृत्यु, धमकाना, मानवीय सम्मान को खतरा, झूठे मुकाबले, हिरासत में बलात्कार व हत्या, अत्यधिक बल प्रयोग, मनगढ़ंत सबूत, विपरीत समूह के साथ गठबंधन, महिलाओं की अस्मिता को ठेस पहुंचाना, कार्रवाई करने में विफलता, लापता करना, शारीरिक हिंसा, इत्यादि। मानवाधिकारों का हनन सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और कानूनी पृष्ठभूमियों के आधार पर भी होता है। महिलाएं आर्थिक, भावनात्मक, सामाजिक, स्वास्थ्य, शिक्षा, चिकित्सा क्षेत्रों में शोषण का शिकार होती हैं। इनका शोषण कई बार अपनों द्वारा भी किया जाता है, और वे अत्याचारों की शिकार हो रही हैं। बाल विवाह, दहेज प्रथा, दहेज हत्या, अपहरण, एसिड अटैक, वेश्यावृत्ति में धकेलना, कार्यस्थलों पर यौन शोषण, बलात्कार, छेड़छाड़, दुराचार, लिंग भेदभाव, अश्लील सामग्री के लिए दुरुपयोग आदि अत्याचारों का सामना उन्हें करना पड़ता है। इसी तरह वर्तमान में एक करोड़ से ज़्यादा बाल मजदूर हैं। इनमें सबसे अधिक यानी कि 10-14 वर्ष की आयु के लगभग 80 लाख बच्चे कामगार हैं। हम बाल मजदूरों को चाय की दुकानों, होटलों, ढाबों, बेकरियों तथा रेस्टोरेंट्स में काम करते, चौराहों पर गाड़ियों को साफ करते, गुब्बारे तथा खिलौने बेचते, कारखानों में छोटे-मोटे काम करते देखते हैं। कई मामलों में बच्चों का अपहरण करके उन्हें अपाहिज बनाकर भीख मंगवाई जाती है। बाल मजदूरों की ज्यादा गिनती यू.पी., बिहार, राजस्थान, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में है। सर्वप्रथम हमें प्रत्येक परिवार की मानसिकता को बदलने का प्रयास करना होगा ताकि परिवार में किसी भी प्रकार का भेदभाव न हो, महिलाओं की स्वतंत्रता, समानता, सम्मान को प्राथमिकता दी जाए। परिवार में ऐसे मूल्य स्थापित किए जाएं जहां लिंग, जाति, धर्म आदि के आधार पर किसी से भेदभाव न करें। जब कभी भी ऐसी घटना घर में घटित होने की आशंका हो तो सभी को मिलकर तुरंत समाधान निकालना चाहिए ताकि ऐसी घटनाएं न घट सकें। मानवता की रक्षा के लिए सत्य, अहिंसा, प्रेम, करुणा, दया, त्याग, शुद्धता, नैतिकता, कर्तव्यनिष्ठा, ईमानदारी, हमदर्दी, नम्रता, सहानुभूति, भावनात्मक लगाव, अच्छा व्यवहार, क्षमा, सहायता, शांत स्वभाव, मित्रता, सहयोग, सेवा भाव, सम्मान, आध्यात्मिक ज्ञान इत्यादि मूल्यों को स्थापित करने के प्रयास हों। सामाजिक, धार्मिक सोसायटियों, ग़ैर-सरकारी संगठनों व स्वयंसेवी संस्थाओं के पूर्ण सहयोग तथा महापुरुषों, विशेषज्ञों, कलाकारों, मीडिया कर्मियों, समाज सेवकों, राजनेताओं व प्रशासकों के योगदान से भी ज़्यादा से ज़्यादा लोगों की मानसिकता को बदलने के लिए समय-समय पर सम्मेलनों, संगोष्ठियों, कार्यशालाओं, प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन कर मानवाधिकारों के बारे में जागरूकता पैदा की जाये।

आज के कार्टुन

मन का नियंत्रण

जग्गी वासुदेव

योग की सारी प्रक्रिया मन की सीमाओं से परे जाने के लिए हैं। जब तक आप मन के नियंत्रण में हैं, तब तक आप पुराने प्रभावों से चलते हैं क्योंकि मन बीते हुए समय की यादों का ढेर है। अगर आप जीवन को सिर्फ मन के माध्यम से देखते हैं तो आप अपने भविष्य को भी भूतकाल की तरह बना लेंगे, न ज्यादा-न कम। क्या यह दुनिया इस बात का पर्याप्त सबूत नहीं है? इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि हमारे पास विज्ञान, तकनीक और दूसरे कई तरह के कितने अवसर आते हैं, पर क्या हम बार-बार उन्हीं ऐतिहासिक भूलों को नहीं दोहराते? अगर आप अपने जीवन को ध्यान से देखें तो पाएंगे कि वही चीजें बार-बार हो रही हैं क्योंकि जब तक आप मन के प्रिज्म के माध्यम से काम कर रहे हैं, तब तक आप उसी पुरानी जानकारी के साथ काम करते रहेंगे। बीता हुआ समय आप के मन में ही रहता है। सिर्फ इसलिए कि आप का मन सक्रिय है, बीता हुआ कल बना रहता है। मान लीजिए, आप का मन इसी पल काम करना बंद कर दे तो क्या बीता हुआ समय यहां रहेगा? वास्तव में यहां कोई भूतकाल नहीं है, सिर्फ वर्तमान ही है। असलियत सिर्फ वर्तमान ही है, मगर हमारे मन के माध्यम से भूतकाल बना रहता है, दूसरे शब्दों में, मन ही कर्म है। अगर आप मन के परे चले जाएं तो आप सारे कार्मिक बंधनों के पार चले जाएंगे। अगर आप कार्मिक बंधनों को एक-एक कर के तोड़ना चाहें तो इसमें शायद लाखों साल लग जाएं और इसे तोड़ने की प्रक्रिया में आप कर्मों का नया भंडार भी बनाते जा रहे हैं। आप के पुराने कार्मिक बंधनों का जत्था कोई समस्या नहीं है। आप को यह सीखना चाहिए कि नया भंडार कैसे तैयार न हो! यही मुख्य बात है। पुराना भंडार अपने आप समाप्त हो जाएगा। पर बुनियादी बात यह है कि आप नये भंडार बनाना बंद करना सीख लें। फिर पुराने भंडार को छोड़ देना बहुत सरल होगा। अगर आप मन के परे चले जाएं तो आप पूरी तरह से कर्मिक बंधनों के भी परे चले जाएंगे। आप को कर्मों को सुलझाने में असल में कोई प्रयास नहीं करना पड़ेगा क्योंकि जब आप अपने कर्मों के साथ खेल रहे हैं, तो आप ऐसी चीज के साथ खेल रहे हैं, जिसका कोई अस्तित्व नहीं है। बीते हुए समय का कोई अस्तित्व नहीं है पर आप इस अस्तित्वहीन आयाम के साथ ऐसे जुड़े रहते हैं, जैसे कि वही वास्तविकता हो।

सू-दोकू नवताल -2165

6			2		5	9		1
	1	8			9	6		
4					8			5
	7		8	5		3		4
2		4		3	1		5	
9			5					3
		6	4			1	9	
8		3	1		7			6

सू-दोकू -2164 का हल

2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली- 2165

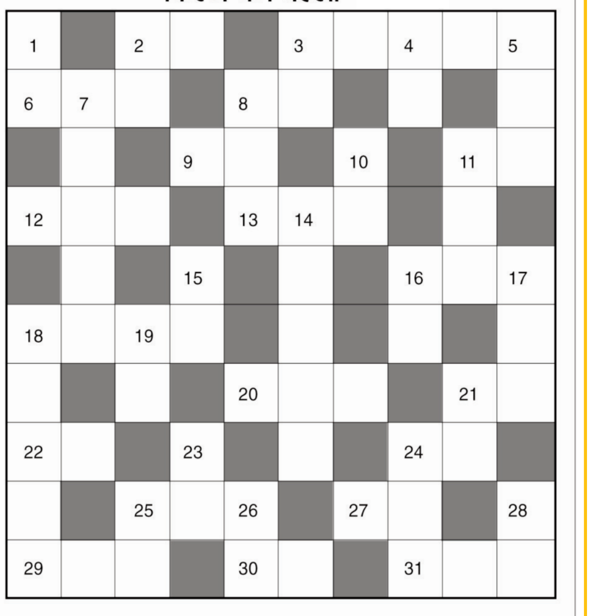

बायें से दायें:-

2. संजीव कुमार, सुचित्रा सेन की 'तेरे बिना जिंदगी से कोई' गीत वाली फिल्म-2
3. 'इस दीवाने लड़के को' गीत वाली फिल्म-5
6. 'देखो जी देखो मेरा दिल धड़के' गीत वाली फिल्म-3
8. फिल्म 'हैलो ब्रदर' की नायिका-2
9. डिनो मारिया, बिपाशा बसु की फिल्म-2
11. ऋषि कपूर, अश्विनी भावे, जेबा बख्तियार की फिल्म-2
12. धर्मेन्द्र, सनी, बॉबी, कैटरीना, शिल्पा शेट्टी अभिनीत फिल्म-3
13. फिल्म 'मि. इंडिया' की नायिका-3
16. फिल्म 'बंदिनी' में अशोक कुमार के साथ नायिका-3
18. बॉबी देओल, ट्विंकल की 'नहीं ये हो नहीं सकता' गीत वाली फिल्म-3
20. राजेश खन्ना, अमिताभ, शर्मिला की फिल्म-3
21. संजय दत्त, अभिषेक बच्चन, एशा देओल, राइमा सेन की फिल्म-2
22. 'कोयल सी तेरी बोली' गीत वाली फिल्म-2
24. अमिताभ,अमृता सिंह की फिल्म-2
25. राजकुमार, राजेश खन्ना, माला सिन्हा की फिल्म-3
27. अक्षय कुमार, रवीना टंडन की 'क्यूं आंचल हमारा गिरा जा रहा है' गीत वाली फिल्म-2
29. 'हर गोरी रानी यहां' गीत वाली अमिताभ, वहीदा, जीनत अमान, परवीन बाबी की फिल्म-3
30. राजेश खन्ना, राखी, शर्मिला टैगोर की 'अब चाहे सर फूटे या माथा' गीत वाली फिल्म-2
31. 'मुझे दुनिया वालों शराबी ना समझो' गीत वाली दिलीप कुमार, वैजयंतीमाला की फिल्म-3

ऊपर से नीचे:-

1. प्रशांत और ऐश्वर्या राय की फिल्म-2
2. अमिताभ, अक्षय कुमार, अर्जुन रामपाल, सुष्मिता अभिनीत फिल्म-2
3. फिल्म 'डकैत' में मीनाक्षी के साथ नायक-2
4. 'चांद सिफारिश जो करता हमारी' गीत वाली फिल्म-2
5. फिल्म 'गॉडमदर' में शीर्षक भूमिका किसने की थी?-3
7. राजकुमार, विनोद मेहरा, हेमा मालिनी, राखी अभिनीत फिल्म-2,3
8. फिल्म 'जी चाहता है' में जॉय मुखर्जी के साथ नायिका-3
10. संजीव कुमार, नूतन अभिनीत फिल्म-2
11. 'बहके बहके कदम हैं' गीतवाली फिल्म-3
14. फिल्म 'लव मैरिज' में माला सिन्हा के साथ नायक-2,3
15. सनी, सलमान, करिश्मा, अभिनीत फिल्म-2
16. फारुख शेख, पूनम ढिल्लों की फिल्म-2
17. फिल्म 'रात और दिन' की नायिका-3
18. अशोक कुमार, प्रदीप कुमार, मीना कुमारी अभिनीत फिल्म-2,3
19. 'हर तरफ हर जगह' गीत वाली जॉन, तारा शर्मा की फिल्म-2
21. राजेश खन्ना, हेमा,पूनमढिल्लो की फिल्म-2
23. विनोद खन्ना, भानुप्रिया की फिल्म-2
24. जीतेंद्र, श्रीदेवी, जयाप्रदा की फिल्म-3
25. आमिर, मनीषा अभिनीत फिल्म-2
26. विनोद मेहरा, बिंदिया गोस्वामी, अमजद की फिल्म-2
28. श्रेयस तलपदे, आयशा टकिया, गुल पनाग की फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली-2164

बिल गेट्स ने अपने फाउंडेशन को दिया 20 अरब डॉलर दान

वाशिंगटन । दुनिया के सबसे अमीर कारोबो रियों में से एक बिल गेट्स ने कोविड-19 महामारी एवं अन्य वैश्विक आघातों से बेहाल लोगों की मदद के लिए अपने फाउंडेशन को 20 अरब डॉलर का दान देने की घोषणा की। इस दान के साथ ही बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन के पास करीब 70 अरब डॉलर का कोष इकट्ठा हो चुका है। इसके साथ ही यह दुनिया के सबसे बड़े हितकारी संगठनों में से एक बन चुका है। बर्कशायर हैथवे के प्रमुख वॉरेन बफे ने भी पिछले महीने गेट्स के फाउंडेशन को 3.1 अरब डॉलर देने की घोषणा की थी। गेट्स ने फाउंडेशन की वेबसाइट पर प्रकाशित एक लेख में उम्मीद जताई कि अन्य धनवान लोग भी दान के इस सिलसिले में शामिल होंगे। गेट्स फाउंडेशन ने वर्ष 2026 तक अपने सालाना बजट में 50 प्रतिशत बढ़ोतरी की योजना बनाई है। फाउंडेशन को उम्मीद है कि बढ़े हुए खर्च का इस्तेमाल शिक्षा सुविधाएं देने, गरीबी हटाने और रोगों पर काबू पाकर एवं स्त्री-पुरुष समानता लाकर वैश्विक प्रगति को प्रशस्त करने में किया जाएगा।

बर्कशायर हैथवे इंक ने किया ऑक्सिडेंटल पेट्रोलियम का 19.2 फीसदी अधिग्रहण

मुंबई । शेयर बाजार के दुनिया के सबसे बड़े दिग्गज वॉरेन बफेट की कंपनी बर्कशायर हैथवे इंक ने इस सप्ताह ऑक्सिडेंटल पेट्रोलियम कॉर्प के 4.3 मिलियन और शेयर खरीदे हैं जिसके बाद कंपनी में बर्कशायर हैथवे इंक की हिस्सेदारी 19.2 फीसदी हो गई है। एक खबर के मुताबिक वॉरेन बफेट की कंपनी बर्कशायर ने बताया है कि कंपनी ने 250 मिलियन डॉलर खर्च कर 179.4 मिलियन ऑक्सिडेंटल आम शेयरों की खरीद की है। जिसकी कीमत करीब 10.4 बिलियन डॉलर है। इससे पहले वॉरेन बफेट की कंपनी बर्कशायर हैथवे इंक ने ऑकिडेंटल पेट्रोलियम कॉर्प की 17.4 फीसदी हिस्सेदारी की खरीद की थी। वॉरेन बफेट की कंपनी ने ऑकिडेंटल पेट्रोलियम कॉर्प के 9.9 मिलियन शेयरों की खरीद की थी। 17.4 फीसदी हिस्सेदारी की खरीद के लिए 582 मिलियन डॉलर का भुगतान किया गया था लेकिन अब इस नई खरीद के बाद बफेट बर्कशायर के पास ऑक्सिडेंटल पेट्रोलियम का 19.2 फीसदी हिस्सा आ गया है। जानकारों का मानना है कि आने वाले समय में ऑक्सिडेंटल कंपनी खासा ग्रोथ करेगा। विश्लेषकों का कहना है कि इस साल ऑक्सिडेंटल की आय 10 बिलियन डॉलर से भी ज्यादा होगी। ऐसे में इस तेल कंपनी पर निवेश करने वाले निवेशकों को भी अच्छा मुनाफा हो सकता है। गौरतलब है कि रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद ऑक्सिडेंटल के शेयर भाव में तेजी दिखाई दे रही है। इस साल ऑक्सिडेंटल के शेयर के भाव दोगुने से भी ज्यादा हो गए हैं। ऐसे में कई दिग्गज निवेशक इसमें पूंजी लगा रहे हैं।

डॉलर के मुकाबले रुपया 7 पैसे चढ़कर 79.74 पर

मुंबई । अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया गुरुवार को शुरुआती कारोबार में 7 पैसे चढ़कर 79.74 पर खुला। घरेलू शेयर बाजार में तेजी से रुपए को बल मिला। हालांकि कारोबारियों ने कहा कि विदेशों में अमेरिकी मुद्रा की मजबूती और विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी के कारण रुपए की बढ़त सीमित रही। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 79.72 पर खुला, फिर शुरुआती सौदों में यह कुछ गिरावट के साथ 79.74 पर आया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 7 पैसे की बढ़त दर्शाता है। पिछले सत्र में बुधवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 79.81 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ था। शुरुआती सौदों में रुपया 79.71 से 79.74 के सीमित दायरे में कारोबार कर रहा था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.30 प्रतिशत की बढ़त के साथ 108.30 पर आ गया। वैश्विक तेल सूचकांक ब्रेंट क्रूड वायदा 0.57 प्रतिशत चढ़कर 100.14 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशकों ने बुधवार को 2,839.52 करोड़ रुपए के शेयर बेचे।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुम्बई ।

मुम्बई शेयर बाजार में गुरुवार को भी गिरावट दर्ज की गयी। बाजार में आज सुबह तेजी के साथ शुरुआत हुई पर इसके बाद बिकवाली हावी होने से इसमें गिरावट आने लगी। एशियाई बाजारों से मिले कमजोर संकेतों से भी बाजार नीचे आया। आईटी एवं बैंकिंग शेयरों में जोरदार बिकवाली से दोनों प्रमुख सूचकांकों ने शुरुआती बढ़त गंवा दी। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 98.00 अंक करीब 0.18 फीसदी की गिरावट के साथ ही 53,416.15 अंकों पर बंद हुआ है, जबकि पचास शेयरों वाला निफ्टी 28.00 अंक तकरीबन 0.18 फीसदी नीचे आकर 15,938.65 अंकों पर बंद हुआ है। सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से एक्सिस बैंक के शेयरों को सर्वाधिक 1.74 फीसदी का नुकसान हुआ। एचसीएल टेकनोलॉजीज, एसबीआई, टेक महिंद्रा, टीसीएस, विप्रो, अल्ट्राटेक सीमेंट और आईटीसी के शेयर भी गिरे। वहीं सन फार्मा, डॉ रेड्डीज लैब, मारुति सुजुकी इंडिया, कोटक महिंद्रा बैंक, टाइटन और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर बढ़त पर रहे।

एशिया के अन्य बाजारों में चीन के शंघाई कंपोजिट, हांगकांग के हैंगसेंग और दक्षिण कोरिया के कॉस्पी में गिरावट दर्ज की गई जबकि जापान का निक्की लाभ के साथ बंद हुआ। यूरोप के बाजार दोपहर के सत्र में नुकसान के साथ कारोबार कर रहे थे। बुधवार को अमेरिका के बाजारों में गिरावट रही थी। जानकारों के अनुसार अमेरिका में महंगाई के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने और दुनिया भर से मिले-जुले संकेतों से बाजार इस हाल में पहुंच जबकि कारोबारी सत्र की शुरुआत में सेंसेक्स और निफ्टी दोनों ही लाभ के साथ ही हरे निशान पर खुले। इससे पहले गत दिवस भी बाजार गिरावट पर बंद हुआ था।

भारत-चीन व्यापार लगातार दूसरे वर्ष बनाएगा 100 अरब डॉलर का रिकार्ड!

बीजिंग । भारत-चीन व्यापार लगातार दूसरे वर्ष 100 अरब डॉलर को पार करने की ओर अग्रसर है। भारत और चीन के बीच कारोबार के आधिकारिक आंकड़ों के सामने आने के बाद यह जानकारी मिली। चीन के उत्पादों के निर्यात में वृद्धि के बीच वर्ष की पहली छमाही में भारत-चीन व्यापार 67.08 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया है। चीन के सीमा शुल्क सामान्य प्रशासन विभाग (जीएसी) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार भारत को चीन का निर्यात पिछले साल की तुलना में 34.5 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 57.51 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया है। जबकि चीन को भारतीय निर्यात 9.57 अरब अमेरिकी डॉलर रह गया है और इसमें पिछले वर्ष की तुलना में 35.3 प्रतिशत की गिरावट आई है।

महाराष्ट्र में 5 रुपए सस्ता होगा पेट्रोल, डीजल पर भी घटाया वैट

मुंबई ।

महाराष्ट्र में पेट्रोल की कीमत में 5 रुपए प्रति लीटर की कटौती करने का फैसला लिया गया है। इसके अलावा डीजल के दाम में भी 3 रुपये लीटर की कमी होगी। सीएम एकनाथ शिंदे ने गुरुवार को मुंबई में अपनी सरकार के इस फैसले का ऐलान किया। सीएम बनने के तुरंत बाद ही एकनाथ शिंदे ने पेट्रोल और डीजल पर वैट में कटौती का ऐलान किया था, जिस पर अब अमल किया गया है। कैबिनेट बैठक के बाद एकनाथ शिंदे ने डिप्टी सीएम देवेंद्र फडनवीस के साथ मीडिया से बातचीत में फैसले का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि इस फैसले से महाराष्ट्र सरकार के खजाने पर 6,000 करोड़ रुपए का बोझ पड़ेगा। उन्होंने कहा कि हमने यह फैसला इसलिए लिया है ताकि आम लोगों को राहत मिल सके। शिंदे ने यह भी कहा कि राज्य सरकार ऐसे फैसले लेगी जिससे भविष्य में लोगों को राहत मिले। एकनाथ शिंदे ने कहा कि आज की बैठक में सरकार ने जनहित में कुछ फैसले लिए हैं। हम समाज के सभी वर्गों के साथ न्याय करते रहेंगे। हमने कैबिनेट की पहली बैठक में इसकी शुरुआत कर दी है। उन्होंने कहा कि आज हमने पेट्रोल और डीजल पर टैक्स कम करने का फैसला किया है। केंद्र सरकार ने 4 नवंबर, 2021 और 22 मई, 2022 को दो बार ईंधन पर टैक्स घटाया था। दोनों बार केंद्र ने कहा था कि राज्य सरकार को भी टैक्स कम करना चाहिए, लेकिन तत्काली उद्धव ठाकरे सरकार की ओर से इस पर कोई फैसला नहीं लिया गया था। यूपी, उत्तराखंड, हरियाणा, मध्य प्रदेश समेत कई भाजपा शासित राज्यों की ओर से उसी दौरान पेट्रोल और डीजल पर वैट में कटौती का ऐलान किया था। वहीं विपक्षी राज्यों का कहना था कि केंद्र सरकार ने जो इजाफा किया था, उसे ही वापस लिया है और कोई अलग से राहत आम लोगों को नहीं दी है।

शाआमी स्मार्ट फिट प्रो1 स्मार्टवॉच कॉलिंग फीचर के साथ पेश, बिना फोन टच किए होगी बात

नई दिल्ली ।

शाआमी की पहली स्मार्टवॉच प्रो1 बाजार में बिक्री के लिए पेश हो गई है। इसमें 1.69-इंच की फुल टच स्क्रीन दी गई है। इसमें 8-स्पोर्ट्स मोड्स और रियल टाइम हेल्थ मॉनिटरिंग फीचर्स दिए गए हैं। शाआमी स्मार्ट फिट प्रो1 की कीमत की बात करें तो इसे 2,799 रुपये में खरीदा जा सकता है। इस स्मार्टवॉच को ई-कॉमर्स वेबसाइट ऐमेजान पर उपलब्ध करवाया गया है। हालांकि, कंपनी इस पर भी ऑफर दे रही है। इस स्मार्टवॉच पर बैंक डिस्काउंट दिया जा रहा है। शाआमी स्मार्ट फिट प्रो1 स्मार्टवॉच को एचडीएफसी बैंक कार्ड से खरीदने पर 1,250 रुपये तक का डिस्काउंट दिया जा रहा है। इस स्मार्टवॉच को पिंक, ब्लू और ग्रे कलर ऑप्शन में उपलब्ध करवाया गया है।

शाआमी स्मार्ट फिट प्रो1 स्मार्टवॉच में 1.69-इंच का डिस्प्ले दिया गया है। इसका पिक्सल रेज्योलूशन 240गुणा280 है। इस स्मार्टवॉच में 8-स्पोर्ट्स मोड्स दिए गए हैं। इस स्मार्टवॉच में रियल टाइम ब्लड ऑक्सीजन मॉनिटर, हार्ट रेट, स्लीप मॉनिटरिंग और दूसरे हेल्थ फीचर्स दिए गए हैं। महिलाओं के लिए इस स्मार्टवॉच में पीरियड ट्रैकर फीचर भी दिया गया है। इसके अलावा इस वॉच में 150 से ज्यादा वॉच फेस दिए गए हैं। इसे आप मूड और फैशन के हिसाब से कभी भी चेंज कर सकते हैं। इस वॉच को फोन से पेयर करके कॉल को रिसीव और रिजेक्ट भी किया जा सकता है।

दूसरे स्मार्टवॉच की तरह ही इसमें भी आपको फोन कॉल, मैसेज, और दूसरे नोटिफिकेशन्स मिलेंगे। इसकी बैटरी को लेकर कंपनी का दावा है कि सिंगल चार्ज 5 से 6 घंटे तक साथ निभाती है। ये वॉटर रेसिस्टेंट के लिए आईपी67 रेटिंग के साथ आती है।

सैमसंग ने गैलेक्सी एम13 सीरीज की लांच, मध्यम श्रेणी में 5जी फोन पेश किया

मोबाइल फोन में पहली बार ऑटो डाटा स्विचिंग फीचर

भोपाल ।

सैमसंग ने गैलेक्सी एम13 सीरीज को गुरुवार को भोपाल में लांच किया है, जिसमें गैलैक्सी एम13 5जी और गैलेक्सी एम 13 को पेश किया गया है। इसमें कई खास फीचर्स दिए हैं, जिसमें 6 जीबी तक की रैम, 11 5जी बैंड्स, इस सेगमेंट का पहला ऑटो डाटा स्विचिंग फीचर, 6000एमएएच, 50 मैगापिक्सल कैमरा जैसे फीचर्स शामिल हैं। इनकी कीमत 11,999 रुपये से शुरू होती है। यह जानकारी सैमसंग इंडिया के महाप्रबंधक अक्षय गुप्ता ने एक प्रेसवार्ता में दी। गुप्ता ने बताया कि गैलैक्सी एम13 5जी की कीमत 13,999 रुपये से शुरू होती है। यह इसके 4 जीबी रैम और 64 जीबी स्टोरेज वेरिएंट की कीमत है। वहीं, फोन के 6 जीबी रैम और 128 जीबी स्टोरेज वेरिएंट की कीमत 15,999 रुपये है। भारत में गैलेक्सी एम 13 के 4जी वेरियंट की शुरुआती कीमत 11,999 रुपये है। यह इसके 4 जीबी रैम और 64 जीबी स्टोरेज वेरिएंट की कीमत है। वहीं, फोन के 6 जीबी रैम और 128 जीबी स्टोरेज वेरिएंट की कीमत 13,999 रुपये है। दोनों ही वेरिएंट को सैमसंग डॉट कॉम, अमेजन और चुनिंदा रिटेल स्टोर्स के जरिए 23 जुलाई से खरीदा जा सकेगा। इन्हें एक्वा ग्रीन, मिडनाइट ब्लू और स्टारडस्ट ब्राउन कलर ऑप्शन में उपलब्ध कराया जाएगा। यह ड्यूल-सिम को सपोर्ट करता है। यह फोन एंड्रॉइड 12 पर काम करता है। इसमें 6.5 इंच का एचडी प्लस डिस्प्ले दिया गया है। इसका रिफ्रेश रेट 90 हट्र्ज का है। यह फोन मीडियाटेक डायमेंसिटी 700 प्रोसेसर से लैस है। इसमें 6 जीबी तक की रैम दी गई है जिसे रैम प्लस फीचर के जरिए 12 जीबी तक बढ़ाया जा सकता है। फोन में ड्यूल रियर कैमरा दिया गया है। इसका पहला सेंसर 50 मेगापिक्सल का है। दूसरा 2 मेगापिक्सल का सेंसर है। फोन में 5 मेगापिक्सल का सेल्फी कैमरा दिया गया है। इसके अलावा 128 जीबी की स्टोरेज दी गई है, जिसे 1 टीबी तक माइक्रोएसडी कार्ड के जरिए खरीदा जा सकेगा। इसमें 11 5जी बैंड्स दिए गए हैं। यह फोन 5000 एमएएच बैटरी से लैस है जो 15 वॉट चार्जिंग को सपोर्ट करता है।वहीं गुप्ता ने गैलैक्सी एम13 के फीचर्स के बारे में बताया कि तब यह ड्यूल-सिम को सपोर्ट करता है। यह फोन एंड्रॉइड 12 पर काम करता है। इसमें 6.6 इंच का एचडी प्लस एलसीडी डिस्प्ले दिया गया है। इसका रिफ्रेश रेट 90 हट्र्ज का है। यह फोन एक्सिनोस 850 प्रोसेसर से लैस है। इसमें 6 जीबी तक की रैम दी गई है जिसे रैम प्लस फीचर के जरिए 12 जीबी तक बढ़ाया जा सकता है। फोन में ट्रिपल रियर कैमरा दिया गया है। इसका पहला सेंसर 50 मेगापिक्सल का है। दूसरा 5 मेगापिक्सल का अल्ट्रा वाइड एंगल लेंस है। तीसरा 2 मेगापिक्सल का डेप्थ सेंसर है। फोन में 8 मेगापिक्सल का सेल्फी कैमरा दिया गया है। इसके अलावा 128 जीबी की स्टोरेज दी गई है जिसे 1 टीबी तक माइक्रोएसडी कार्ड के जरिए खरीदा जा सकेगा। यह फोन 6000 एमएएच बैटरी से लैस है जो 15 वाट चार्जिंग को सपोर्ट करता है।

अब बेवजह कैब कैंसिल करने पर होगी कार्रवाई

- सीसीपीए ने अब कैब बुकिंग और कैंसिलेशन के संबंध में नए निर्देश जारी किए

नई दिल्ली ।

कैब एग्रीगेटर के खिलाफ बढ़ती शिकायतों को देखते हुए अब सरकार ने इनकी मनमानी पर रोक लगाने के लिए सख्त कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने अब कैब बुकिंग और कैंसिलेशन के संबंध में नए निर्देश जारी किए हैं। अब अगर बिना कोई ठोस कारण के कैब ड्राइवर राइड कैंसिल करता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। साथ ही कैश में किराया लेने पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है। गौरतलब है कि 10 मई, 2022 को कैब एग्रीगेटर्स के साथ हुई बैठक में सरकार ने चेतावनी दी थी कि अगर वे अपने सिस्टम में सुधार नहीं करते हैं और उपभोक्ताओं की बढ़ती शिकायतों का हल नहीं करते हैं तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद 20 मई को केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण ने ओला और उबर को नोटिस जारी किया था। प्राधिकरण ने नोटिस का जवाब देने के लिए ओला और उबर को 15 दिन का समय दिया था। कैब एग्रीगेटर्स के खिलाफ पिछले कुछ दिनों में शिकायतें काफी बढ़ गई हैं। उपभोक्ताओं की अधिकांश शिकायतें सेवाओं में कमी और अन्य अनुचित व्यापार प्रथाओं से संबंधित हैं। उपभोक्ताओं की सबसे बड़ी शिकायत कैब ड्राइवरों द्वारा बेवजह राइड कैंसिल कर देना है। इसके अलावा तय रकम से ज्यादा किराया वसूलना, किराये को नकदी में मांगना और यात्रा के दौरान गाड़ी में एसी न चलाने की भी शिकायतें उपभोक्ता कर रहे हैं। उत्तराखंड की एक रिपोर्ट के अनुसार, कैब एग्रीगेटर्स और कैब ड्राइवरों की मनमानी पर अब सीसीपीए सख्त हो गया है। उसने अब नए निर्देश जारी कर कहा है कि अगर कोई भी कंपनी या ड्राइवर अनुचित तरीका अपनाता है या ग्राहक के साथ खराब व्यवहार करता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। सीसीपीए ने कहा है कि अब कैब ड्राइवर बिना वजह राइड कैंसिल नहीं कर सकता है। इसके अलावा वह उपभोक्ता से पेमेंट मोड भी नहीं पूछ सकता और उसे किराया ऑनलाइन ही लेना होगा। किसी भी हाल में वह उपभोक्ता से कैश नहीं ले सकेगा। एक बार राइड बुक करने और लोकेशन पूछने के बाद ड्राइवर राइड कैंसिल नहीं कर सकता है।

देश में आर्थिक विकास की रफ्तार बेहतर, अमेरिका और चीन की घटी

- मुद्रास्फीति, उपभोक्ताओं के आत्मविश्वास में कमी और शेयरों में गिरावट रही प्रमुख वजह

नई दिल्ली ।

जहां एक तरफ अमेरिका और चीन में विकास की रफ्तार धीमी हो रही है वहीं भारत में आर्थिक विकास की गति स्थिर है। ऑर्गनाइजेशन फोर इकोनॉमिक को-ऑपरेशन एंड डेवलपमेंट (ओईसीडी) के कंपोजिट लीडिंग इंडिकेटर (सीएलआई) में यह बात सामने आई है। सीएलआई के अनुसार, यूके, कनाडा व जर्मनी, फ्रांस, इटली समेत पूरे यूरोपीय क्षेत्र की आर्थिक विकास की गति धीमी पड़ रही है। मुद्रास्फीति, उपभोक्ताओं के आत्मविश्वास में कमी और शेयरों में गिरावट इसकी प्रमुख वजहें मानी जा रही हैं। उधर, अमेरिका के लिए ग्रोथ आउटलुक को स्टेबल ग्रोथ से घटाकर ग्रोथ लूजिंग मोमेंटम कर दिया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि उभरती हुई अर्थव्यवस्था में भारत की आर्थिक विकास की गति स्थिर नजर आ रही है। इसके अलावा चीन और ब्राजील की आर्थिक वृद्धि की रफ्तार कुछ धीमी पड़ गई है। ओईसीडी के अनुसार कोविड-19 के कारण चीन द्वारा औद्योगिक इकाइयों में लगाए पूर्ण लॉकडाउन ने चीन की अर्थव्यवस्था को अपंग कर दिया है। रिपोर्ट के अनुसार 2022 में चीन के 5.5 फीसदी की दर से वृद्धि करने का अनुमान संदेहास्पद है। दूसरी ओर ब्राजील में बढ़ती महंगाई और सख्त होती वित्तीय परिस्थितियों ने आर्थिक भावनाओं और परचेजिंग पावर पर चोट की है। इसके अलावा आगामी राष्ट्रपति चुनाव और अनिश्चितता पैदा कर रहे हैं क्योंकि 2023 तक ब्राजील में निवेश के कम रहने का अनुमान है। बात करें भारत की तो सीएलआई में देश की आर्थिक वृद्धि की स्थिति स्थिर है लेकिन इसमें पहले से कुछ गिरावट आई है। मार्च में भारत का सीएलआई 100.3 था जो जून में घटकर 100.1 रह गया है। ओईसीडी ने इससे पहले अपने आर्थिक पूर्वानुमान में कहा था कि भारत ने 2021 में जी-20 में सर्वाधिक तेजी से जीडीपी रिबाउंड (रिकवरी) दर्ज किया था लेकिन उसके बाद से विकास की गति लगातार धीमी हो रही है।

छोटे खुदरा विक्रेताओं की मदद करना, ओएनडीसी का मकसद : पीयूष गोयल

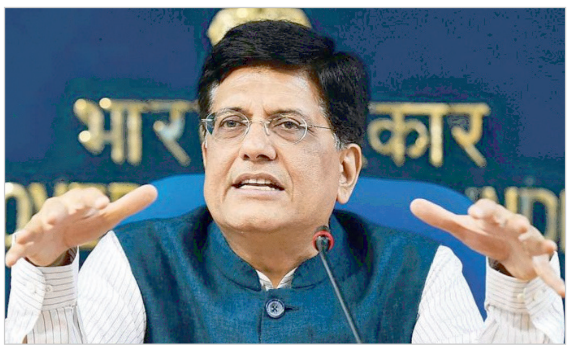

नई दिल्ली ।

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स यानी ओएनडीसी का पायलट चरण सफल रहने के बाद अब धीरे-धीरे इसका और शहरों तक विस्तार होगा। ओएनडीसी का 5 शहरों में प्रायोगिक चरण चल रहा है और यह सफल रहा है। गोयल से पूछा गया कि क्या उनकी योजना इसका विस्तार अन्य शहरों तक करने की है? इस पर केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा, बिलकुल है, उन्होंने कहा, ओएनडीसी का धीरे-धीरे विस्तार होगा। इस तरह हम पता लगाएंगे कि इसका उपयोग करना कितना आसान है, डेटा एकत्रित करने के लिए हमें किस तरह की क्षमता की जरूरत है और पूरी प्रक्रिया का प्रबंधन किस तरह करना है। इस दिशा में काम अभी चल ही रहा है। ओएनडीसी को अप्रैल में 5 शहरों- दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, भोपाल, शिलॉन्ग और कोयंबटूर में शुरू किया गया था. गोयल ने कहा, ''ओएनडीसी डिजिटल कॉमर्स दुनिया का प्रजातंत्रीकरण करना है। टेक्नोलॉजी को भारत के सुदूर कोनों तक पहुंचाने के लिए यह कई स्टार्टअप को जन्म दे सकता है। केंद्र ने एक नई तरह के ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म की शुरुआत की है। गत अप्रैल में देश के 5 शहरों में ओएनडीसी का पायलट चरण शुरू किया गया था।ओएनडीसी एक यूपीआई-प्रकार का प्रोटोकॉल है और इस पूरी कवायद का मकसद तेजी से बढ़ते ई-कॉमर्स क्षेत्र को दूर-दराज के क्षेत्रों तक पहुंचाना, छोटे खुदरा विक्रेताओं की मदद करना और दिग्गज ऑनलाइन खुदरा विक्रेताओं के वर्चस्व को कम करना है। यह वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के तहत डिपार्टमेंट फॉर प्रमोशन ऑफ इंडस्ट्री एंड इंटरनल ट्रेड यानी डीपीआईआईटी की एक पहल है।

जून में घट कर 15.18 फीसदी हुई थोक महंगाई

नई दिल्ली ।

थोक मूल्य पर आधारित मुद्रास्फीति (डब्ल्यूपीआई इन्फ्लेशन) जून में घटकर 15.18 प्रतिशत पर आ गई है। थोक महंगाई की दर मई में 15.88 फीसदी थी, जबकि पिछले साल जून में यह 12.07 फीसदी थी। थोक मूल्य पर आधारित मुद्रास्फीति में पिछले तीन महीने में पहली बार गिरावट देखी गई है। बीते तीन महीने से इसमें लगातार बढ़ोतरी हो रही थी। उल्लेखनीय है कि अप्रैल 2021 से थोक मूल्य पर आधारित मुद्रास्फीति लगातार दोहरे अंकों में बनी हुई। सरकार द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार, जून में खाद्य पदार्थों की मुद्रास्फीति 14.39 प्रतिशत थी। इस दौरान सब्जियों, फलों और आलू की कीमतों में एक साल पहले की तुलना में तेज वृद्धि देखी गई थी। मई में खाद्य पदार्थों की थोक मूल्य मुद्रास्फीति 12.34 फीसदी थी। मई में सब्जियों की महंगाई दर 56.75 प्रतिशत थी, जबकि आलू और फलों में यह क्रमशः 39.38 और 20.33 प्रतिशत थी। ईंधन और बिजली बास्केट में मुद्रास्फीति 40.38 प्रतिशत थी, जबकि विनिर्मित उत्पादों और तिलहन में यह क्रमशः 9.19 फीसदी और 2.74 फीसदी थी। वहीं, कच्चे पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस की मुद्रास्फीति जून में 77.29 फीसदी थी। उधर 12 जुलाई, 2022 को जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार फुटकर मुद्रास्फीति जून में 7.01 प्रतिशत पर थी। इसमें मई के मुकाबले मामूली कमी आई है, लेकिन यह लगातार छठे महीने रिजर्व बैंक के कंफर्ट लेवल से ऊपर बनी हुई है। पहले आरबीआइ ने जून तिमाही (Q1) में मुद्रास्फीति के 7.5 प्रतिशत रहने और सितंबर तिमाही (Q2) में 7.4 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया था। तेजी से बढ़ती महंगाई पर काबू पाने के लिए आरबीआइ ने पिछले दो महीनों में रेपो रेट में 90 आधार अंकों की बढ़ोतरी की है। केंद्रीय बैंक ने 2022-23 के लिए अपने मुद्रास्फीति अनुमान को 100 आधार अंकों से बढ़ाकर 6.7 प्रतिशत कर दिया है। आरबीआइ अपनी मौद्रिक नीति तैयार करने के लिए खुदरा मुद्रास्फीति को देखता है। बता दें कि आरबीआई की मौद्रिक समिति की अगली बैठक 2 से 4 अगस्त के बीच होने वाली है।

वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 श्रृंखला के लिए राहुल, अश्विन और कुलदीप की भारतीय टीम में वापसी

विराट और बुमराह को आराम

मुबई (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयन समिति ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए 18 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा कर दी है। रोहित शर्मा की कप्तानी में उतरने वाली इस टीम में बल्लेबाज लोकेश राहुल के अलावा अनुभवी स्पिनर आर अश्विन और चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यादव की वापसी हुई है। राहुल का शामिल किये जाने पर सभी को हैरानी हुई है क्योंकि पिछले माह ही उनकी जर्मनी में सर्जरी हुई थी। राहुल के अलावा कुलदीप भी चोट से उबर रहे हैं उन्हें भी फिट होने पर ही टीम में जगह मिलेगी। वहीं अश्विन को लंबे समय बाद टी20 प्रारुप में जगह मिली है। इससे पहले उन्हें नवंबर 2021 में न्यूजीलैंड के खिलाफ एक टी20 मैच के लिए शामिल किया गया था। बल्लेबाज विराट कोहली और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को इस सीरीज में आराम दिया गया है। विराट पिछले काफी समय से खराब फार्म से गुजर रहे हैं जबकि बुमराह के कार्यभार प्रबंधन के तहत ही टीम में जगह नहीं मिली है।

तीन मैचों की इस श्रृंखला के लिए कुलदीप भी तैयार है पर उन्हें फिटनेस में पास होना होगा। इस स्पिनर ने अंतिम बार फरवरी 2022 में खेला था और तब से चोट के कारण बाहर थे। आयरलैंड और इंग्लैंड के दौरे के लिए चुने गए कई युवा खिलाड़ियों को भी इस श्रृंखला में जगह मिली है। सूर्यकुमार यादव, ईशान किशन, रवींद्र जडेजा और दीपक हुड्डा टीम में बने हुए है। हुड्डा को विराट कोहली की जगह नंबर तीन पर बल्लेबाजी का अवसर मिल सकता है। वहीं बुमराह की जगह युवा तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और अवेश खान में से किसी एक को जगह मिलेगी।

वेस्टइंडीज के खिलाफ 5 मैचों की टी20 क्षृंखला के लिए भारतीय टीम इस प्रकार हैः

रोहित शर्मा (कप्तान), ईशान किशन, लोकेश राहुल, सूर्यकुमार यादव, दीपक हुड्डा, श्रेयस अय्यर, दिनेश कार्तिक, ऋषभ पंत, हार्दिक पांड्या, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, आर अश्विन, रवि बिश्नोई, कुलदीप यादव, भुवनेश्वर कुमार, आवेश खान, हर्षल पटेल और अर्शदीप सिंह।

सिंगापुर ओपन: सिंधू और प्रणय क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

सिंगापुर (एजेंसी)।

दो बार के ओलंपिक पदक विजेता पी वी सिंधू और फॉर्म में चल रहे एच एस प्रणय ने सिंगापुर ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। तीसरी वरीयता प्राप्त सिंधू ने दुनिया की 59वें नंबर की खिलाड़ी वियतनाम की हुइ लिन एंगुयेन को 19.21, 21.19, 21.18 से हराया।

अब उनका सामना चीन की हान यि से होगा। दुनिया के 19वें नंबर के खिलाड़ी प्रणय ने दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी चीनी ताइपै के चोउ तियेन चेन के खिलाफ तीन सप्ताह में दूसरी जीत दर्ज की। उन्होंने एक घंटे और नौ मिनट तक चला मुकाबला 14.21, 22.20, 21.18 से जीता। अब उनका सामना जापान के कोडाइ नाराओका से होगा।

वहीं किदाम्बी श्रीकांत को हराने वाले मिथुन मंजूनाथ आयरलैंड के एन एंगुयेन से 10.21, 21.18, 16.21 से हारकर बाहर हो गए। वहीं थाईलैंड की बुसानन ओंगबांरूंगफन को हराने वाली अष्मिता चालिहा को चीन की हान यि ने 21.9, 21.13 से हराया।

फिर दुनिया के नंबर एक एकदिवसीय गेंदबाज बने बुमराह

दुबई (एजेंसी)।

तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह द ओवल में इंग्लैंड के खिलाफ पहले एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में 19 रन पर छह विकेट चटकाकर करियर का सर्वश्रेष्ठ करते हुए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की बुधवार को जारी नवीनतम एकदिवसीय पुरुष खिलाड़ी रैंकिंग में एक बार फिर नंबर एक गेंदबाज बन गए। बुमराह ने फरवरी 2020 में नंबर एक रैंकिंग न्यूजीलैंड के ट्रेंट बोल्ट को गंवा दी थी जबकि इससे पहले दो साल तक वह अधिकांश समय शीर्ष पर थे।

वह कुल 730 दिन नंबर एक गेंदबाज रहे जो किसी भी अन्य भारतीय गेंदबाज से अधिक है। वह इतिहास में सबसे अधिक समय तक शीर्ष पर रहने वाले गेंदबाजों की सूची में नौवें स्थान पर हैं। अतीत में टी20

अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में भी शीर्ष पर रह चुके और अभी टेस्ट रैंकिंग में करियर के सर्वश्रेष्ठ तीसरे स्थान पर मौजूद बुमराह पूर्व कप्तान कपिल देव के बाद एकदिवसीय रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचने वाले सिर्फ दूसरे भारतीय तेज गेंदबाज हैं। भारतीय स्पिनरों में मनिंदर सिंह, अनिल कुंबले और रविंद्र जडेजा शीर्ष रैंकिंग हासिल कर चुके हैं।

महिला हॉकी विश्व कप: नवनीत के 2 गोल से भारत ने जापान को हराया, नौवें स्थान पर

टैरेसा (स्पेन) (एजेंसी)।

नवनीत कौर के दो गोल की मदद से भारतीय महिला हॉकी टीम ने जापान को 3.1 से हराया लेकिन एफआईएच महिला विश्व कप में निराशाजनक नौवें स्थान पर रही। नवनीत ने 30वें और 45वें मिनट में गोल दागे जबकि दीप ग्रेस इक्का ने 38वें मिनट में गोल किया।

जापान के लिए एकमात्र गोल यू असाइ ने 20वें मिनट में दागा। पहले क्वार्टर के पहले 5 मिनट में दोनों टीमों ने बराबर हमले बोले लेकिन गोल नहीं कर सकी। भारत को बढ़त बनाने का मौका जल्दी ही मिला लेकिन वंदना कटारिया के शॉट को जापानी गोलकीपर एइका नकामूरा ने बचा लिया। पहले क्वार्टर में टीमों को कामयाबी नहीं मिली। भारत ने दूसरे क्वार्टर में अच्छी शुरूआत की और 2 मिनट के भीतर दो मौके बनाए लेकिन गोल नहीं हो सका। जापान ने 20वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर असाइ के गोल के दम पर बढ़त बनाई। भारत ने जवाबी हमले में पेनल्टी कॉर्नर बनाए लेकिन गोल नहीं हुआ। नवनीत ने हाफ टाइम से ठीक पहले बराबरी का गोल दागा।

दूसरे हाफ में भारत ने काफी आक्रामक शुरूआत की और छठा पेनल्टी कॉर्नर बनाया लेकिन एक बार फिर मौका गंवा दिया। इक्का ने हालांकि भारत को मिले एक और पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर बढ़त दिलाई। तीसरे क्वार्टर में नवनीत ने दूसरा गोल दागा। चौथे क्वार्टर में जापान ने वापसी की काफी कोशिश की लेकिन सफलता नहीं मिली।

लीजैंड्स क्रिकेट लीग के दूसरे सत्र में खेलेंगे हरभजन सिंह

नई दिल्ली। भारत के पूर्व आफ स्पिनर हरभजन सिंह क्रिकेट के मैदान पर वापसी करते हुए सितंबर में लीजैंड्स क्रिकेट लीग के दूसरे सत्र में खेलेंगे। उनके अलावा भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग, इरफान पठान, युसूफ पठान, आस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज ब्रेट ली, श्रीलंका के महान स्पिनर मुथैया मुरलीधरन और विश्व कप विजेता इंग्लैंड के पूर्व कप्तान इयोन मोर्गन भी इसमें खेलेंगे। लीग के दूसरे सत्र में चार टीमें और 110 पूर्व क्रिकेटर भाग लेंगे। हरभजन ने कहा, 'मैदान पर वापसी करने को लेकर रोमांचित हूं।' इस बीच वेस्टइंडीज के पूर्व क्रिकेटर लैंडल सिमंस और दिनेश रामदीन भी आगामी सत्र के लिये खिलाड़ियों के ड्राफ्ट में शामिल हो गए हैं।

सिंगापुर ओपन: साइना नेहवाल की फॉर्म में वापसी, बिंग जियाओ को हराया

सिंगापुर। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता साइना नेहवाल ने फॉर्म में वापसी के संकेत देते हुए दुनिया की नौवें नंबर की खिलाड़ी चीन की बिंग जियाओ को हराकर सिंगापुर ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। लंदन ओलंपिक कांस्य पदक विजेता साइना ने पांचवीं वरीयता प्राप्त चीनी खिलाड़ी को 21.19, 11.21, 21.17 से मात दी। पिछले कुछ साल से चोटों और खराब फॉर्म से जूझ रही साइना ने अप्रैल में राष्ट्रमंडल खेल चयन ट्रायल में भाग नहीं लिया था। पिछले तीन साल में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पिछले साल ओरलियंस मास्टर्स सुपर 100 में सेमीफाइनल में पहुंचना रहा। वह मलेशिया मास्टर्स और बार्सीलोना स्पेन मास्टर्स 2020 के क्वार्टर फाइनल में भी पहुंची थी।

रोहित-बुमराह के बाद गांगुली भी कोहली के बचाव में आगे आए, कहा- यह सबके साथ हुआ है

लंदन। भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली लम्बे समय से खराब दौर से गुजर रहे हैं और कमर की चोट ने मामला और खराब कर दिया है। इस 33 वर्षीय धमाकेदार बल्लेबाज का आखिरी अंतरराष्ट्रीय शतक 2019 में आया था। वहीं हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट और टी20 इंटरनेशनल श्रृंखला में उनका निराशाजनक प्रदर्शन जारी रहा और वह एजबेस्टन टेस्ट में केवल 11 और 20 रन बना सके जबकि टी20 में अपनी दो पारियों में केवल 12 रन बनाए। विराट कोहली के खराब फॉर्म की भारी आलोचना हुई है और कुछ पूर्व क्रिकेटरों जैसे कि कपिल देव और वेंकटेश प्रसाद ने टी20 टीम में उनकी जगह पर सवाल उठाया है। हालांकि विफलताओं के बावजूद कप्तान रोहिल शर्मा और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने उनका साथ दिया और एक्सपर्ट्स को खरी-खोटी भी सुनाई। अब बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली ने भी कोहली का समर्थन किया है।

बांग्लादेश ने दूसरे एकदिवसीय में वेस्टइंडीज को नौ विकेट से हराया

बारबाडोस (एजेंसी)।

मेहमान टीम बांग्लादेश ने दूसरे एकदिवसीय क्रिकेट मुकाबले में वेस्टइंडीज को नौ विकेट से हरा दिया। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज की टीम केवल 108 रनों पर ही आउट हो गयी। इसके बाद बांग्लादेश ने 20.4 ओवर में ही एक विकेट के नुकसान पर यह लक्ष्य हासिल कर लिया। इस प्रकार बांग्लादेश ने वेस्टइंडीज पर 3 मैचों की सीरीज में 2-0 की बढ़त बना ली है। यह उसकी इंडीज टीम के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में लगातार चौथी जीत है। इस मैच में बांग्लादेश ने टॉस जीतकर मेजबान वेस्टइंडीज को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। इंडीज टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी और उसने 45 रनों पर ही 4 बड़े खो दिया थे। शाई होप 18 रन बनाकर आउट हुए। वहीं कप्तान निकोलस पूरन शून्य पर ही पेवेलियन लौट गये। कीमो पॉल ने नाबाद 25 रन बनाकर टीम का स्कोर 100 रन के ऊपर पहुंचाया। इस प्रकार पूरी टीम 35 ओवर में 108 रनों पर ही सिमट गई। टीम के 6 बल्लेबाज दो अंकों तक भी नहीं पहुंच पाये। बांग्लादेश की ओर से ऑफ स्पिनर मेहदी हसन ने 8 ओवर में 29 रन देकर 4 विकेट लिए। इसके अलावा स्पिनर नसुम अहमद ने बेहद शानदार गेंदबाजी करते हुए 10 ओवर में सिर्फ 19 रन दिए और 3 विकेट लिए। इसके बाद जीत के लक्ष्य का पीछा करते हुए बांग्लादेश की शुरुआत अच्छी रही। कप्तान तमीम इकबाल और नजमुल हुसैन ने पहले विकेट के लिए 48 रन बनाये। नजमुल 36 गेंद पर 20 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद तमीम और लिटन दास ने टीम को लक्ष्य तक पहुंचा दिया। तमीम 50 रन जबकि लिटन 32 रन बनाकर नाबाद रहे।

कोलम्बिया के रिओस बने 44वें बारबेरा इंटरनेशनल शतरंज के विजेता

बार्सिलोना , स्पेन। कोलंबिया के ग्रांड मास्टर रिओस कामिलो नें 44वे बारबेरा इंटरनेशनल शतरंज का खिताब जीत लिया है । अंतिम राउंड में उन्होने मेजबान स्पेन के फीडे मास्टर विक्टर अलवारेज अल्बिओल को पराजित करते हुए 7 अंक बनाए हालांकि ग्रीस के जोर्जियस ग्कौमस नें चिली के फर्नांदों गोमेज को और कोलंबिया के अलेक्ज़ेंडर जेमे नें स्पेन के मार्क डुबलन को पराजित करते हुए भी 7 अंक बनाए पर बेहतर टाईब्रेक के आधार पर रिओस पहले , जोर्जियस दूसरे और अलेक्ज़ेंडर तीसरे स्थान पर रहे । भारतीय खिलाड़ियों में अतुल दहाले 5.5 अंक बनाकर नौवे स्थान पर रहे । प्रतियोगिता में 2352 का प्रदर्शन करते हुए अतुल नें अपनी रेटिंग 2200 के पार पहुंचाते हुए कैंडिडैट मास्टर की उपाधि हासिल कर ली है । भारत की विश्वा शाह नें भी प्रतियोगिता में शानदार खेल दिखाते हुए अपना पहला महिला इंटरनेशनल मास्टर का नार्म हासिल किया और अपनी फीडे रेटिंग में 60 अंक जोड़े ।

राष्ट्रमण्डल खेलों से क्रिकेट को ओलंपिक में शामिल करने बनेगी राह : लेनिंग

मेलबर्न (एजेंसी)।

ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम की कप्तान मेग लेनिंग को उम्मीद है कि राष्ट्रमण्डल खेलों में क्रिकेट को शामिल किए जाने के बाद ओलंपिक में इसको शामिल किये जाने की राह भी बनेगी। बर्मिंघम में इसी माह के अंत में से शुरू हो रहे राष्ट्रमण्डल खेलों में क्रिकेट को साल 1998 के बाद पहली बार शामिल किया गया है। ऑस्ट्रेलियाई पुरुष टीम ने तब राष्ट्रमण्डल खेलों में क्रिकेट में रजत पदक जीता था। महिला क्रिकेट को पहली बार इन खेलों को जगह मिली है। कुल 8 टीमों को इसमें शामिल किया गया है। भारत और पाकिस्तान की महिला टीमों को इसमें एक ही ग्रुप में रखा गया है। इस महिला क्रिकेटर ने कहा, 'ओलंपिक में क्रिकेट खेलने का अलग ही आनंद होगा। इससे खेल को भी नए दर्शक मिलेंगे।' उन्होंने कहा कि इससे दुनिया भर के लोग क्रिकेट देखेंगे जिससे महिला क्रिकेट की लोकप्रियता बढ़ेगी।

विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में नीरज से पदक की उम्मीद

नई दिल्ली । ओलंपिक पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा अब अमेरिका के युगेन में शुक्रवार से शुरू हो रही विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पदक जीतने के इरादे से उतरेंगे। नीरज जीत के लिए अच्छे फॉर्म के साथ ही प्रदर्शन में निरंतरता पर निर्भर रहेंगे। इससे पहले स्टॉकहोम डाइमंड लीग में 89.94 मीटर तक भाला फेंककर नीरज विश्व चैंपियनशिप में पदक दावेदारों में शामिल हुए थे। नीरज अगर यहां पदक जीतते हैं तो वह ऐसा करने वाले दूसरे भारतीय ट्रैक एवं फील्ड खिलाड़ी और देश के पहले पुरुष खिलाड़ी बनेंगे। इससे पहले साल 2003 में लंबी कूद की खिलाड़ी अंजू बॉबी जॉर्ज पेरिस में कांस्य पदक जीतकर विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतने वाली पहली भारतीय बनीं थीं।

चोपड़ा ने कहा, अब तक तैयारी अच्छी रही है और मेरा मनोबल बढ़ा हुआ है। मैंने जिन तीन प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया उनमें से दो में निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और एक में खिताब जीता है तीनों टूर्नामेंट में मेरे प्रदर्शन में निरंतरता रही। मैं बेहतर कर सकता हूं (और 90 मीटर की दूरी को पार कर सकता हूं), स्टॉकहोम डाइमंड लीग में 90 मीटर से सिर्फ छह सेंटीमीटर पीछे रहा। इसलिए उम्मीद करता हूं कि विश्व चैंपियनशिप में मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करूंगा। साथ ही कहा कि इस टूर्नामेंट में जीत की उम्मीदों के साथ ही उनपर दबाव भी है। इस टूर्नामेंट में नीरज को मुख्य प्रतिद्वंद्वी ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स से टक्कर मिलेगी। पीटर्स2019 विश्व चैंपियनशिप के स्वर्ण पदक विजेता रहे हैं। मौजूदा सत्र में पांच सर्वश्रेष्ठ प्रयास में से चार उनके नाम दर्ज हैं। उनका 93.07 मीटर का सर्वश्रेष्ठ प्रयास मौजूदा सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रयास भी है।

संकट के बीच श्रीलंका पहुंची पाकिस्तान की टीम, खेले जाएंगे दो टेस्ट मैच, खिलाड़ियों ने शुरू की प्रैक्टिस

लंदन।(एजेंसी)।

श्रीलंका में इस वक्त हालात बदतर होते जा रहे हैं। श्रीलंका आर्थिक तंगी से गुजर रहा है। वहां राजनीतिक संकट का दौर अपने चरम पर है। श्रीलंका के आम लोग लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं। हालांकि, अच्छी खबर यह है कि श्रीलंका में द्विपक्षीय क्रिकेट सीरीज लगातार खेली जा रही है। हाल में ही ऑस्ट्रेलिया का दौरा खत्म हुआ था। अब पाकिस्तान की टीम दो टेस्ट मैच खेलने के लिए श्रीलंका पहुंच चुकी है। इसको लेकर पाकिस्तान क्रिकेट की ओर से एक वीडियो भी साझा किया गया है। इस वीडियो में श्रीलंका दौरे पर पहुंचे सभी खिलाड़ी फुटबॉल खेलते नजर आ रहे हैं। खिलाड़ी काफी खुश दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में पाक कप्तान बाबर आजम भी अपने टीम के साथी खिलाड़ियों के साथ मौजूद हैं।

आपको बता दें कि श्रीलंका में राजनीतिक उठापटक के बीच इमरजेंसी की घोषणा की गई है। ऐसे में माना जा रहा था कि इसका असर क्रिकेट के मैदान पर भी पड़ सकता है। लेकिन पाकिस्तान की टीम 16 जुलाई से गॉल में दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला का पहला मुकाबला खेलेगी। इसके अलावा दूसरा टेस्ट मैच 24 जुलाई से कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेला जाएगा। अगर श्रीलंका में क्रिकेट लगातार होती रही तो एशिया कप को लेकर जो आशंकाएं जताई जा रही है, वह खत्म हो जाएगी। इस बार एशिया कप श्रीलंका में होनी है। लेकिन वहां के हालात की वजह से कई आशंका जताई जा रही है। श्रीलंका में एशिया कप पर बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली ने आज ही कहा था कि मैं फिलहाल कोई टिप्पणी नहीं कर सकता। हम निगरानी रखेंगे। ऑस्ट्रेलिया इस समय वहां खेल रहा है। श्रीलंकाई टीम वास्तव में बहुत अच्छा कर रही है। तो एक महीने का इंतजार करते हैं।

हमारी मेजबानी के लिए शुक्रिया श्रीलंका: वार्नर

ऑस्ट्रेलिया के आक्रामक सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर ने 'बेहद मुश्किल समय' में टीम की मेजबानी के लिए श्रीलंका का शुक्रिया अदा करते हुए कहा कि वह इस दौरे को कभी नहीं भूल पायेंगे। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ महीने भर चली श्रृंखला के लिए प्रशंसक बड़ी संख्या में स्टेडियम पहुंचे। बायें हाथ के इस बल्लेबाज ने इंस्टाग्राम पर श्रीलंका के लोगों और प्रशंसकों के लिए एक भावनात्मक संदेश पोस्ट किया। वार्नर ने लिखा कि मुश्किल समय में हमारी मेजबानी करने के लिए शुक्रिया श्रीलंका। हम यहां आने और जिस खेल से प्यार करते हैं उस खेल को खेलने का मौका मिलने के लिए बहुत आभारी हैं। हम जानते हैं कि आप सभी को खेल का समर्थन करना पसंद है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आयुर्वेद में लहसुन से किया जाता है कई बीमारियों का इलाज

कोविड पीरियड में लहसुन का प्रयोग काफी किया जा रहा है। सभी लोग इम्यूनिटी बूस्ट करने के लिए इसका सेवन कर रहे हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इसके अचार से भी आपको स्वस्थ्य लाभ मिलते हैं। आमतौर पर हम लहसुन का प्रयोग सब्जी और दाल में तड़का लगाने के लिए करते हैं लेकिन आयुर्वेद में लहसुन का इस्तेमाल औषधि के रूप में किया जाता है। इसके सेवन के कई अचूक फायदे होते हैं लेकिन इसे उचित मात्रा में लेना चाहिए। आयुर्वेद में लहसुन का प्रयोग कर कई बीमारियों का इलाज किया जाता है। औधषि और सब्जियों के अलावा आप लहसुन का अचार भी बना सकते हैं। जो स्वादिष्ट होने के साथ-साथ सेहत के लिए भी बहुत लाभकारी होता है। लहसुन एंटीसेप्टिक, एंटीआक्सीडेंट, एंटी बैक्टीरियल, एंटी वायरल, और एंटीफंगल गुणों से समृद्ध है। आप इसका प्रयोग कई तरह से कर सकते हैं। यहां हम आपको आयुर्वेदिक डॉक्टर के हवाले से लहसुन और इसके अचार खाने के कई स्वस्थ्य लाभों के बारे में जानकारी दे रहे हैं। चूंकि लहसुन एक आयुर्वेदिक औषधि है, इसलिए हमने इसके बारे में अधिक जानकारी के लिए आयुर्वेद के क्षेत्र से जुड़े डॉक्टर से बात की। बेंगलुरु के जीवोत्तम आयुर्वेद केंद्र ने बताया कि लहसुन से एक नहीं बल्कि कई फायदे मिलते हैं। आप चाहें तो इसका स्वादिष्ट अचार भी खा सकते हैं। जो खराब कोलेस्ट्रॉल को घटाता है जिसकी मदद से अपच, फूड पॉइजन, कब्ज, गैस जैसी पेट संबंधित समस्याओं से राहत मिलती है। इसलिए आप इसके अचार को अपने लंच और डिनर में शामिल कर सकते हैं।

कैंसर के जोखिम को कम करने में मददगार

लहसुन में मौजूद ऑर्गेनो-सल्फर सेरेब्रम ट्यूमर में जोखिम भरी कोशिकाओं में से एक को नष्ट करने में मदद करता है। लहसुन को खासतौर पर प्रोस्टेट और ब्रेस्ट कैंसर से बचाने वाला फूड माना जाता है। इसकी गंध कैंसर और हृदय रोग के लिए एक सुरक्षा कवच के तौर पर काम करती है।

फेफड़े के सही विकास में सहायक

जो लोग हर हफ्ते लहसुन की कच्ची कलियों का सेवन करते हैं उनके फेफड़े सही तरह से विकसित होते हैं। हालांकि, कई लोग लहसुन को कच्चा या सब्जी में खाना पसंद नहीं करते, इसलिए वे इसे आचार के तौर पर खा सकते हैं। अध्ययनों से पता चला है कि फेफड़ों की खराबी के लिए लहसुन एक रसायन-निवारक विशेषज्ञ के रूप में काम कर सकता है।

जोड़ों के दर्द में राहत

लहसुन के सेवन से जोड़ों के दर्द में काफी आराम मिलता है। विशेषज्ञों का भी कहना है कि लहसुन में कई ऐसे तत्व पाए जाते हैं जो जोड़ों के दर्द में फायदेमंद होते हैं। रोजाना इसके सेवन से जोड़ों के दर्द और सूजन की शिकायत होने का जोखिम कम हो सकता है। आप कच्चे लहसुन, नमकीन लहसुन, या लहसुन की गोलियां खाकर जोड़ों की सूजन को कम कर सकते हैं।

सर्दी, खांसी और जुकाम को कम करने में फायदेमंद

सर्दी-जुकाम और अन्य बीमारियों के खतरे को कम करने के लिए आप लहसुन के अचार को भी औषधि के तौर पर खा सकते हैं। यदि आपको सर्दी-जुकाम की समस्या है, तो आपको लहसुन की आवश्यकता हो सकती है! कैंसर की रोकथाम करने वाले एजेंट यानी लहसुन की नमकीन का सेवन कर सर्दी को कम कर सकते हैं। इसमें हीट पैदा करने वाले गुण होते हैं।

आंखों की सेहत ख्याल रखता है इम्यूनिटी बूस्टर लहसुन

लहसुन के सेवन से आप अपने इम्यून सिस्टम को मजबूत रख सकते हैं। इसके अतिरिक्त ये आपकी आंखों के लिए भी फायदेमंद है। लहसुन के अचार में अधिक मात्रा में बीटा कैरोटीन मौजूद होता है जो आंखों के लिए अच्छा माना जाता है

बारिश में मच्छर फैलाते हैं ये गंभीर बीमारियां

मानसून एक खुशनुमा मौसम है लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि ये मच्छर जनित बीमारियों का भी सीजन है। क्योंकि यह मच्छरों के प्रजनन का भी मौसम है, इसलिए वे अपनी पूरी ताकत के साथ संक्रमण फैलाने के लिए एक्टिव हो जाते हैं। अगर आपने मच्छरों से फैलने वाली बीमारियों से बचाव के लिए कोई तैयारी नहीं की तो सावधानी बतरनी शुरू कर कीजिए। दरअसल, मच्छरों के काटने से जो बीमारियां होती हैं, उनमें से ज्यादातर हमारी जान पर हावी हो जाती हैं।

बता दें कि मच्छर का काटना और उसके बाद होने वाली खुजली होना एक छोटी सी समस्या है लेकिन नजरअंदाज करने पर ये संक्रमण गंभीर लक्षणों को भी बढ़ावा दे सकता है। हर साल लाखों लोग किसी न किसी मच्छर जनित बीमारी से पीड़ित होते हैं। इस आर्टिकल में हमने 5 ऐसी बीमारियों को लिस्टिड किया है जो मानसून में आम हैं।

मलेरिया

मच्छर के काटने से होने वाली सबसे आम और खतरनाक बीमारी है। हर साल लगभग 4 लाख लोग मलेरिया के कारण अपनी जान गंवाते हैं। हालांकि, बढ़ती जागरूकता के साथ, मामलों की संख्या में गिरावट देखी गई है। जब एक संक्रमित मच्छर किसी स्वस्थ व्यक्ति को काटता है, तो वह व्यक्ति मलेरिया से संक्रमित हो सकता है। बुखार, ठंड लगना और शरीर में दर्द मलेरिया के प्रमुख लक्षण हैं। यदि आप खुद में इस तरह के सिम्टम्स देखते हैं तो बिना देर किए टेस्ट कराना चाहिए। इसके अलावा, मलेरिया के खतरे से बचने के लिए मानसून के मौसम में मच्छरदानी का उपयोग करें। चूंकि मलेरिया के लिए कोई टीका नहीं है, इसलिए रोकथाम सबसे अच्छा इलाज है।

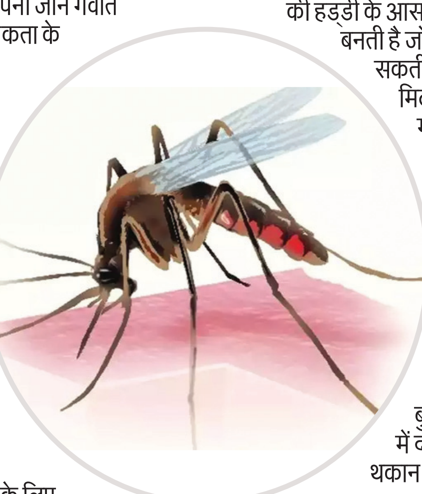

डेंगू बुखार

पिछले कुछ सालों में डेंगू के मामलों में थोड़ी गिरावट देखी गई है, लेकिन अब भी ये पूरी तरह से समाप्त नहीं हुआ है। साथ ही, भारत डेंगू बुखार के लिए सबसे अधिक जोखिम वाले क्षेत्रों में से एक है। समस्या यह है कि अब तक डेंगू का कोई इलाज नहीं है और खराब मैनेजमेंट से रोगी की मृत्यु हो सकती है। लिहाजा हमें इससे बहुत अधिक सावधान रहने की जरूरत है। डेंगू पैदा करने वाला मच्छर अलग होता है और इसके लक्षण घंटों में देखे जा सकते हैं। जैसे ही आपको संक्रमित मच्छर के काटने का संदेह हो, अपना परीक्षण करवाएं और आवश्यक चिकित्सा सहायता लें।

येलो बुखार

येलो फीवर फ्लेविवायरस के कारण होता है। इसमें वायरस से संक्रमित मच्छर किसी स्वस्थ व्यक्ति को काटता है तो वह येलो फीवर की चपेट में आ जाता है। यह कैरिबियन, अफ्रीकी और दक्षिण अमेरिकी क्षेत्रों में अधिक आम है। भारतीय तब तक इस बीमारी के संपर्क में नहीं आते जब तक कि वे उच्च जोखिम वाले देशों का दौरा नहीं करते। शुक्र है कि पिछले वर्षों में पीले बुखार के बहुत कम मामले सामने आए हैं लेकिन हमें इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। यदि आप सुरक्षित स्थान पर रहने के लिए किसी उच्च जोखिम वाले क्षेत्र में जा रहे हैं तो अपने आप को पीले बुखार का टीका लगवाएं। हालांकि, लोगों को सलाह दी जाती है कि वे उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों की यात्रा करने से पहले पीले बुखार का टीका लगवा लें।

इंसेफेलाइटिस

यह भी एक मच्छर जनित बीमारी है लेकिन बाकी की तुलना में अधिक खतरनाक है क्योंकि यह रीढ़ की हड्डी के आसपास सूजन का कारण बनती है जो मस्तिष्क तक पहुंच सकती है। समय पर इलाज न मिलने पर यह रोग पूरे शरीर में फैल जाता है। पिछले कुछ सालों में भारत में इंसेफेलाइटिस के मामले धीरे-धीरे बढ़े हैं। जिन लोगों का इम्यून सिस्टम कमजोर होता है उन्हें इंसेफेलाइटिस होने का खतरा ज्यादा होता है। शुरुआती लक्षणों में बुखार, ठंड लगना, जोड़ों में दर्द, मांसपेशियों में दर्द, थकान और दौरे शामिल हैं।

चिकनगुनिया

चिकिनगुनिया भी बारिश के सीजन में होने वाला रोग है। ये भारत और एशिया के अन्य हिस्सों में आम है। चिकनगुनिया के लगभग 1 लाख मामले हर साल सामने आते हैं। चिकनगुनिया बुखार फैलाने वाला मच्छर 29 डिग्री तापमान से ऊपर पैदा होता है जो मानसून के मौसम की शुरुआत में कहर ढहाता है। शुरुआती लक्षणों में सिरदर्द, बुखार, जी मिचलाना और जोड़ों में दर्द है। इस प्रकार, हमें सतर्क रहने की जरूरत है क्योंकि मानसून इस बीमारी से बचाव के लिए शुरू होता है।

वैक्सीनेशन के बाद डाइट में शामिल करें ये खास चीजें

कोरोना वायरस से बचाव के लिए वर्तमान में वैक्सीनेशन ही एकमात्र उपाय है। वैज्ञानिकों और डॉक्टरों का एक ही दावा है वैक्सीन से डरे नहीं और वैक्सीनेशन कराएं। लेकिन कोरोना वैक्सीनेशन के दौरान भी कुछ बातें हैं जिन्हें ध्यान में जरूर रखें। इससे आपका इम्युनिटी लेवल भी बढ़ेगा और साइड इफेक्ट से दर्द में राहत मिलेगी। जानते हैं अपने खाने में कौन-सी चीजें जरूर शामिल करें

लहसुन और प्याज- इन दोनों को खाने में खूब इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन इम्युनिटी बूस्टर के तौर यह बेहद लाभदायक है। लहसुन में विटामिन बी6, सी, फाइबर, सेलेनियम, मैंगनीज, कॉपर, पोटेशियम, फास्फोरस पाया जाता है। वहीं प्याज में विटामिन सी की प्रचुर मात्रा होती है।

अनाज- मुख्य रूप से साबुत अनाज अधिक फायदेमंद है। इसमें मौजूद तत्व साइड इफेक्ट को कम करने में मदद मिलती है। साबुत अनाज के अलावा ब्राउन राइस, ज्वार, ओट्स, रागी, सत्तू और पॉपकॉर्न भी डाइट में शामिल कर सकते हैं।

पानी- विशेषज्ञों के अनुसार वैक्सीन से एक दिन पहले और वैक्सीन लगने के कुछ दिनों बाद तक खूब सारा पानी पिएं। इससे आपकी बॉडी हाइड्रेट रहेगी और साइड इफेक्ट का ज्यादा असर पता नहीं चलेगा।

हल्दी- हल्दी एक आयुर्वेदिक औषधि है। यह एक रामबाण दवा के रूप में काम करती है। वैक्सीनेशन के बाद आप रात को हल्दी का दूध भी पी सकते हैं।

ताजे फल- वैक्सीनेशन के बाद आपकी बॉडी में पानी की कमी नहीं होना चाहिए इसलिए अधिक से अधिक फल खाएं। गर्मी के मौसम में ऐसे कई सारे फल है जिनमें पानी की मात्रा अधिक होती है। तरबूज, खरबूजा, चीकू, आम इसके अलावा केले, अनार का भी सेवन कर सकते हैं। इन फलों से शरीर को ताकत भी मिलती है और पानी की कमी भी नहीं होती है।

हरी सब्जियां- हरी सब्जियों में मौजूद पोषक तत्व इम्युनिटी बूस्टर का काम ही करते हैं। वैक्सीनेशन के बाद हरी सब्जियों की मात्रा बढ़ा दें। इससे आपको ताकत भी मिलेगी और वैक्सीन का दर्द भी कम होगा।

मोटापे से दिलाएगा छुटकारा खाली पेट मेथी बीज के पानी का सेवन

बढ़ता वजन या मोटापा अगर आपके लिए भी परेशानी का कारण बना हुआ है तो इसका इलाज आपकी किचन में ही मौजूद है। जी हां, आपकी रसोई में मौजूद मेथी दाना न सिर्फ आपके बढ़ते वजन बल्कि आपके कई रोगों को ठीक करने में आपकी मदद कर सकता है। औषधीय गुणों से भरपूर मेथी में ढेर सारे न्यूट्रिएंट्स, एंटी ऑक्सीडेंट्स और सूजन रोधी गुण पाए जाते हैं। इतना ही नहीं खाली पेट मेथी के बीज का पानी पीने से सेहत को कई तरह के लाभ मिलते हैं। आइए जानते हैं मोटापा कम करने के लिए कैसे बनाएं मेथी के बीज का पानी।

कैसे बनाएं मेथी के बीज का पानी

- मेथी के बीज का पानी बनाने के लिए सबसे पहले 1 बड़ा बाउल लेकर उसमें पानी डालें और 2 चम्मच मेथी दाने को उस पानी में डालकर रात भर भिगोने के लिए रख दें। सुबह उठकर पानी को छान लें और खाली पेट सबसे पहले इस पानी का सेवन करें।
- इसके अलावा आप यह उपाय भी अपना सकती हैं। इस उपाय में आप 1 चम्मच मेथी दाने को पैन में बिना तेल के हल्का सा फ्राई कर लें और फिर ब्लेंडर में डालकर उसका पाउडर बना लें। 1 गिलास गर्म पानी में 1 चम्मच मेथी का पाउडर डालें, मिक्स करें और हर सुबह खाली पेट इस पानी को पिएं।

सुबह खाली पेट मेथी का पानी पीने के फायदे

मोटापा कम करने में मदद

मेथी में फाइबर की मात्रा अधिक होती है। इसके पानी का सेवन सुबह खाली पेट करने से लंबे समय तक पेट भरा हुआ महसूस होता है और भूख जल्दी नहीं लगती। जिसकी वजह से वेट लॉस में काफी मदद मिलती है। इसके अलावा मेथी के पानी का सेवन करने से पेट फूलने की दिक्कत (ब्लोटिंग) भी नहीं होती है।

डायबिटीज

मेथी में 4-हाइड्रॉक्सिसिलुसीन नाम का एक एमिनो एसिड होता है। जो डायबिटीज को कम करने में मदद करता है।

पाचन तंत्र को रखें सेहतमंद

मेथी का पानी एसिडिटी, कब्ज और पेट से जुड़ी समस्याओं दूर करने में मदद करता है। इसके लिए आपको रोज सुबह खाली पेट मेथी का पानी पीना होगा।

दर्द को दूर करती है मेथी

मेथी का सेवन करने से शरीर में होने वाले दर्द से राहत मिलती है। एंटीऑक्सीडेंट और ऐंटि-इन्फ्लेमेट्री प्रॉपर्टीज से भरपूर मेथी शरीर के लिए बेहद फायदेमंद है। शरीर के दर्द को दूर करने के लिए मेथी का पाउडर, मेथी की चाय बनाकर भी उपयोग में लाया जा सकता है। मेथी दाना का पूरा फायदा उठाना है तो हर रोज मेथी का पानी पीना चाहिए।

नशे की बजाए औषधि के रूप में करें भांग का प्रयोग

आमतौर पर भांग के बीजों का इस्तेमाल नशे के रूप में किया जाता है लेकिन बहुत कम लोगों को मालूम हैं इसका प्रयोग कई दवाओं में भी किया जाता है। इसके बीजों के कई स्वास्थ्य लाभ हैं।

कई लोगों द्वारा भांग के बीज को एक सुपर फूड माना जाता है क्योंकि उनमें अधिक मात्रा में पौष्टिक तत्व पाए जाते हैं। इसके सेवन से कई तरह के स्वास्थ्य लाभ होते हैं। ये बीज कैनबिस सतीव पौधे से आते हैं, जिसका प्सैकोएक्टिव ड्रग या औषधि के रूप में प्रयोग किया जाता है। कैनबिस को मारिजुआना, गांजा और भांग के नामों से भी जाना जाता है। आपको बता दें कि भांग एक आयुर्वेदिक औषधि है, लेकिन लोग इसका सेवन सिर्फ नशा के तौर पर करते हैं। वहीं अगर सीमित मात्रा में कई दूसरी औषधियों के साथ मिलाकर इसका प्रयोग करें तो तमाम बीमारियों से राहत मिल सकती है। ये छोटे भूरे बीज बेहद स्वस्थ होते हैं क्योंकि इनमें फाइबर, प्रोटीन और अन्य स्वस्थ फैटी एसिड होते हैं। यहां हम आपको भांग के सभी स्वास्थ्य लाभों के बारे में बता रहे हैं।

दिल की बीमारी के खतरे को कम करता

भांग के बीज अच्छे कोलेस्ट्रॉल के स्तर को बनाए रखते हुए आपके दिल को स्वस्थ रखने में प्रमुख भूमिका निभाते हैं। यह वास्तव में एकमात्र पौधा है जिसमें संतृप्त वसा एक सही अनुपात में पाया जाता है। इसी के चलते इसके बीज एथेरोस्क्लेरोसिस, दिल के दौरे और स्ट्रोक को रोकने में मदद करते हैं। सैचुरेटेड फैट के अलावा ये बीज अमीनो एसिड, गामा-लिनोलिक एसिड और आर्जिनिन की उपस्थिति सूजन को कम करने में मदद करते हैं जिससे दिल की सेहत सही रहती है और रक्तचाप भी नियंत्रित होता है।

पाचन स्वास्थ्य में सुधार करता है

भांग फाइबर से भरपूर होती है और यह घुलनशील और अघुलनशील दोनों तरह के फाइबर का एक बड़ा स्रोत है। इसके बीजों में मौजूद फाइबर बाउल फंक्शन को स्टिम्युलेट यानी प्रोत्साहित करता है, इस तरह से ये कब्ज को रोकता है। इसके अलावा, फाइबर से पेट भरा हुआ महसूस कराता है और कोलेस्ट्रॉल के स्तर कंट्रोल में रहता है। साथ ही ये ग्लूकोज के अवशोषण को भी धीमा करता है।

अनिद्रा से राहत

बहुत से लोग विभिन्न कारणों से नींद की बीमारी से पीड़ित होते हैं। रात में एक अच्छी नींद पाने के लिए, आपको बस मुट्ठी भर भांग के बीज लेने की जरूरत है क्योंकि वे मैग्नीशियम से भरे होते हैं जो शरीर को आराम देने के लिए जाने जाते हैं। भांग के बीजों में डेली के लिए जरूरी मैग्जीनियम की 50% मात्रा पाई जाती है।

स्किन के लिए फायदेमंद

भांग के बीज आपकी स्किन के लिए भी फायदेमंद होते हैं। इसमें मुंहासे, लालिमा, एक्जिमा, शुष्क और सुस्त त्वचा, जलन को कम करने के गुण पाए जाते हैं। ऐसा बीजों में मौजूद फैटी एसिड के कारण होता है। अगर आपको स्किन संबंधी समस्या है तो शुद्ध भांग के बीज के तेल को त्वचा पर लगाकर इस्तेमाल कर सकते हैं। इन बीजों में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट, फैटी एसिड और विटामिन के कारण त्वचा और बालों के उत्पादों में एक महत्वपूर्ण घटक है।

वजन कम करने में सहायक

भांग के बीज प्रोटीन और फाइबर का स्रोत होने के साथ-साथ कैलोरी में कम होते हैं और इनमें सोडियम की अधिक मात्रा पाई जाती है। इसलिए वजन कम करने वाले लोगों के लिए भी मददगार है। ये भूख को कम करने में मदद करते हैं। इसके साथ ही इन बीजों में मौजूद फाइबर सभी पोषक तत्वों को अवशोषित कर लेता है, जिससे शरीर को सभी आवश्यक पोषक तत्व पर्याप्त मात्रा में मिल जाते हैं।

एनीमिया लोगों के लिए अच्छा

एनीमिया एक ऐसी स्थिति है जो शरीर में आयरन की कमी के कारण होती है और इसके कई दुष्प्रभाव हो सकते हैं जिनमें सुस्ती, सीने में दर्द और चक्कर आना शामिल हैं। आप भांग के बीजों का सीमित मात्रा में सेवन करके इस स्थिति को रोक सकते हैं क्योंकि इनमें आयरन की मात्रा अधिक होती है।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारतीय मूल के अरुण अग्रवाल टेक्सास आर्थिक विकास निगम के बने निदेशक मंडल

ऑस्टिन (अमेरिका)।अमेरिका के टेक्सास राज्य के गवर्नर ग्रेग एबॉट ने अरुण अग्रवाल को टेक्सास आर्थिक विकास निगम (टीएक्सईडीसी) के निदेशक मंडल के लिए नामित किया है। अग्रवाल भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिक हैं और इस समय डलास स्थित कपड़े की कंपनी 'नेक्स्ट' के मुख्य कार्यपालक अधिकारी हैं। वह परमार्थ कार्य भी करते हैं। गवर्नर ने राज्य को राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने तथा रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए अग्रवाल समेत टेक्सास के आठ अन्य व्यवसायियों को नामित किया है। एबॉट ने एक बयान में कहा, 卐टेक्सास को एक प्रमुख व्यावसायिक केंद्र के तौर पर प्रोत्साहित करने में टीएक्सईडीसी को सफल बनाने के लिए इनके प्रयासों की अहम भूमिका होगी।卐 कपड़ों के अलावा अग्रवाल की कपास के व्यापार और रियल एस्टेट में भी रुचि है। वह अमेरिका-भारत मित्रता परिषद, यूटी डलास के कार्यकारी बोर्ड, रिसर्च पार्क स्थित टेक्सास टेक इनोवेशन हब तथा अन्य संस्थाओं के बोर्ड के सदस्य भी हैं। वह 'चेतना' नामक एक गैर लाभकारी संस्था के लिए स्वेच्छा से काम करते हैं। यह संस्था घरेलू हिंसा के पीड़ितों के लिए काम करती है। अग्रवाल ने गाजियाबाद स्थित आईएमटी से एमबीए, सदर्न न्यू हैम्पशायर विश्वविद्यालय से कम्प्यूटर इन्फॉर्मेशन सिस्टम में परास्नातक और हार्वर्ड विश्वविद्यालय से अंतरराष्ट्रीय व्यापार में सर्टिफिकेट हासिल किया है। उन्होंने कहा, 卐अमेरिका में रहने वाले भारतीय अमेरिकी लोगों के लिए यह बड़े सम्मान की बात है। गवर्नर इस देश में हमारे समुदाय के लोगों की शक्ति को जानते हैं। हम सबसे ज्यादा कड़ी मेहनत करते हैं और सबसे अधिक धन कमाने वाला समुदाय हैं। हम मिलकर टेक्सास को वैश्विक स्तर पर लघु तथा बड़े व्यवसाय के स्वामियों के लिए एक सफलता प्रदान करने वाला केंद्र बनाएंगे।

पाकिस्तान: आतंकी हाफिज सईद के संगठन के दो सदस्यों की गोली मारकर हत्या

लाहौर। मुंबई आतंकी हमले के मास्टरमाइंड हाफिज सईद के संगठन जमात-उद-दावा (जेयूडी) के दो सदस्यों की एक अन्य प्रतिद्वंद्वी संगठन के सदस्यों ने कथित तौर पर गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह घटना पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में तब हुई जब दोनों ईद-उल-अजहा की नमाज अदा करके एक मस्जिद से लौट रहे थे। पुलिस ने बताया कि घटना रविवार को फैसलाबाद के जरांवाला चक 97 जिले में हुई, जो लाहौर से 130 किलोमीटर दूर स्थित है। जमात-उद-दावा के मारे गए दोनों सदस्यों की पहचान राशिद अली और शाहिद फारूक के रूप में की गयी है। उन्होंने कहा कि संदेह है कि घटना को प्रतिद्वंद्वी संगठन जमात अहले सुन्नत के सदस्यों ने अंजाम दिया है।

'जीवनयापन के खर्च' के संकट की सबसे ज्यादा मार महिलाओं पर पड़ेगी: डब्ल्यूईएफ रिपोर्ट

जिनेवा। विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) ने बुधवार को वैश्विक श्रम शक्ति में बढ़ती लैंगिग असमानता की ओर इशारा करते हुए कहा कि ईंधन और खाद्य सामान की ऊंची कीमतों के कारण जीवनयापन के खर्च का संकट महिलाओं को सबसे ज्यादा प्रभावित करेगा। जिनेवा का यह शोध संस्थान दावोस में होने वाले अपने वार्षिक आयोजन के लिए चर्चित है। इसमें दुनियाभर नेता, उद्योगपति जुटते हैं। डब्ल्यूईएफ ने कहा कि उम्मीद थी कि कोविड-19 संकट समाप्त होने के साथ स्त्री-पुरुष असमानता बढ़ने की वजह से जो नुकसान हुआ है, उसकी भरपाई हो जाएगी, लेकिन ऐसा होता नहीं दिख रहा है। डब्ल्यूईएम का अनुमान है कि अब दुनिया को स्त्री-पुरुष समानता को हासिल करने में अब 132 साल लगेंगे। पहले इसमें 136 वर्ष लगने का अनुमान था। डब्ल्यूईएफ का मानना है कि लैंगिंग समानता के लिए चार मुख्य चीजों..वेतन और आर्थिक अवसर, शिक्षा, स्वास्थ्य और राजनीतिक सशक्तीकरण पर ध्यान देना जरूरी है। इस रिपोर्ट में आइसलैंड को सबसे ज्यादा अंक मिले हैं। उसके बाद कुछ नॉर्डिक देशों और न्यूजीलैंड का नंबर आता है। वहीं यूरोप की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था जर्मनी 146 देशों की सूची में 10वें स्थान पर है। इसके अलावा सूची में अमेरिका 27वें, चीन 102वें स्थान और जापान 116वें स्थान पर है। डब्ल्यूईएफ की प्रबंध निदेशक सादिया जाहिदी का कहना है कि महामारी के दौरान श्रम बाजार के नुकसान की वजह से जीवनयापन की लागत का सबसे अधिक संकट महिलाओं पर पड़ा है।

पहली छमाही में भारत-चीन व्यापार 67 अरब अमेरिकी डॉलर रहा

बीजिंग। भारत-चीन व्यापार लगातार दूसरे वर्ष 100 अरब डॉलर को पार करने की ओर अग्रसर है। भारत और चीन के बीच कारोबार के आधिकारिक आंकड़ों के सामने आने के बाद बुधवार को यह जानकारी मिली। चीन के उत्पादों के निर्यात में वृद्धि के बीच वर्ष की पहली छमाही में भारत-चीन व्यापार 67.08अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया है। चीन के सीमा शुल्क सामान्य प्रशासन विभाग (जीएसी) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार भारत को चीन का निर्यात पिछले साल की तुलना में 34.5 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 57.51 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया है। जबकि चीन को भारतीय निर्यात 9.57 अरब अमेरिकी डॉलर रह गया है और इसमें पिछले वर्ष की तुलना में 35.3 प्रतिशत की गिरावट आई है। वर्ष 2022 के शुरुआती छह महीनों में व्यापार घाटा 47.94 अरब अमेरिकी डॉलर रहा है। गौरतलब है कि पिछले साल पूर्वी लद्दाख में सैन्य गतिरोध के बावजूद भारत-चीन द्विपक्षीय व्यापार एक वर्ष में 100 अरब अमेरिकी डॉलर के आंकड़े को पार करते हुए 125 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया था।

उ. कोरिया ने दोनेत्स्क और लुहांस्क को अलग देश की मान्यता दी, यूक्रेन ने प्योंगयांग से राजनयिक रिश्ते तोड़े

सियोल। उत्तर कोरिया ने यूक्रेन के खिलाफ रूस के युद्ध के समर्थन में, पूर्वी यूक्रेन स्थित दो अलगाववादी क्षेत्रों दोनेत्स्क और लुहांस्क को स्वतंत्र देश के रूप में मान्यता दे दी है। इसकी प्रतिक्रिया में यूक्रेन के विदेश मंत्रालय ने उत्तर कोरिया से कूटनीतिक संबंध तोड़ लिए हैं और प्योंगयांग के निर्णय को यूक्रेन की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता पर हमला बताया है। यूक्रेन संकट के लिए उत्तर कोरिया लगातार अमेरिका को दोषी ठहराता रहा है और दावा करता रहा है कि पश्चिमी देशों की दमनकारी नीतियों के कारण रूस ने अपने बचाव में यूक्रेन पर हमला किया है। उत्तर कोरिया के सरकारी मीडिया ने कहा कि देश के विदेश मंत्री चो सुन हुई ने एक दिन पहले यूक्रेन से अलग हुए दोनेत्स्क और लुहांस्क के नेताओं को पत्र लिखकर उनकी स्वतंत्रता को मान्यता देने की बात कही। उत्तर कोरिया ने इन दोनों अलगाववादी क्षेत्रों के साथ कूटनीतिक संबंध विकसित करने की इच्छा भी जाहिर की। दोनेत्स्क के अलगवावादी नेता डेनिस पुशिलिन ने उत्तर कोरिया के निर्णय पर संज्ञान लिया। लुहांस्क और दोनेत्स्क मिलकर डोनबास क्षेत्र बनाते हैं, जहां ज्यादातर रूसी बोलने वाले लोग हैं और इस्पात के कारखाने, खदानें अन्य अन्य उद्योग स्थित हैं। दोनों ही प्रांत 2014 में अलगाववादियों के कब्जे में थे और फरवरी में रूस के आक्रमण से पहले ही राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने उनकी स्वतंत्रता को मान्यता दे दी थी। सीरिया ने भी उनकी स्वतंत्रता को मान्यता दी है।

मशहूर कारोबारी बिल गेट्स ने अपने फाउंडेशन को 20 अरब डॉलर का दान दिया

न्यूयॉर्क। माइक्रोसॉफ्ट के संस्थापक और दुनिया के सबसे अमीर बिजनेसमैन में से एक बिल गेट्स ने अपने फाउंडेशन को 20 अरब डॉलर का दान देने की घोषणा की है। यह पैसा कोरोना महामारी और अन्य दूसरे ग्लोबल आपदाओं से बेहाल लोगों की मदद के लिए हैं। बिल गेट्स दुनिया में सबसे बड़े दानवीरों में से एक गिने जाते हैं। बर्कशायर हैथवे के प्रमुख वॉरेन बफे ने भी पिछले महीने गेट्स के फाउंडेशन को 3.1 अरब डॉलर देने की घोषणा की थी। गेट्स ने दुनिया में अन्य धनवान लोगों से भी दान देने की अपील की है। गेट्स फाउंडेशन ने वर्ष 2026 तक अपने सालाना बजट में 50 प्रतिशत बढ़ोतरी की योजना बनाई है। फाउंडेशन को उम्मीद है कि बढ़े हुए खर्च का इस्तेमाल शिक्षा सुविधाएं देने और गरीबी हटाने में किया जाएगा। साथ ही स्त्री-पुरुष समानता लाकर वैश्विक प्रगति के लिए किया जाएगा। हुरुन रिपोर्ट और एडेलगिव फाउंडेशन द्वारा तैयार विश्व के 50 दानवीरों की सूची में जमशेदजी को पिछले 100 सालों में दुनिया का सबसे बड़ा दानवीर चुना गया है। उनके द्वारा स्थापित टाटा समूह ने सबसे ज्यादा 102 अरब डॉलर (करीब 75 खरब 70 अरब 53 करोड़ 18 लाख रुपये) का दान दिया है। वहीं, आईटी कंपनी विप्रो के संस्थापक अजीम प्रेमजी ने वित्त वर्ष 2020-21 में 9,713 करोड़ रुपए दान दिया। उनके बारे में कहावत है कि वे हर रोज 27 करोड़ रुपये दान देते हैं। एडेलगिव हुरुन इंडिया फिलैंथ्रोपी लिस्ट 2021 के अनुसार कोरोना काल में प्रेमजी ने ज्यादा दान दिया।

कोलंबो में प्रधानमंत्री रनिल विक्रमसिंघे के कार्यालय पर कब्जे के बाद उत्साहित प्रदर्शनकारी।

श्रीलंका छोड़ मालदीव पहुंचे गोटबाया राजपक्षे ने मांगा प्राइवेट जेट, सता रहा जान का डर

कोलंबो। श्रीलंका के राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे मालदीव में हैं और उन्हें माले से सिंगापुर जाना था लेकिन सुरक्षा कारणों से वह सिंगापुर एयरलाइन के विमान पर सवार नहीं हो सके। मीडिया में बृहस्पतिवार को प्रकाशित खबर के अनुसार, गोटबाया अब एक निजी विमान का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने बुधवार को इस्तीफा देने की घोषणा की थी पर देश छोड़ने के कुछ घंटों बाद ही उन्होंने प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे को कार्यवाहक राष्ट्रपति बना दिया था जिससे राजनीतिक संकट गहरा गया है तथा सरकार विरोधी प्रदर्शन और उग्र हो गया है। संसद के अध्यक्ष महिंदा यापा अभयवर्द्धने ने कहा कि राजपक्षे ने रानिल विक्रमसिंघे को तब तक राष्ट्रपति का दायित्व निर्वहन करने के लिए नियुक्त किया है जब तक वह बाहर हैं। 'डेली मिरर' की खबर के अनुसार, राजपक्षे, उनकी पत्नी लोमा और दो सुरक्षा अधिकारी बुधवार रात को माले से उड़ान संख्या 'एसक्यू 437' के जरिये सिंगापुर के लिये रवाना होने वाले थे लेकिन सुरक्षा कारणों से वे विमान पर सवार नहीं हुए। खबर में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि राजपक्षे अब एक निजी विमान का इंतजार कर रहे हैं। इस बीच अभयवर्द्धने ने कहा कि उन्हें राष्ट्रपति राजपक्षे से अभी तक इस्तीफा प्राप्त नहीं हुआ है।

प्रदर्शनकारी हिंसा से दूर रहें या नतीजे भुगतने के लिए तैयार रहें: श्रीलंकाई सेना

कोलंबो। (एजेंसी)।

श्रीलंका की सेना ने बृहस्पतिवार को सरकार विरोधी प्रदर्शनकारियों से हिंसा से दूर रहने या नतीजों का सामना करने के लिए तैयार रहने को कहा। साथ ही उसने आगाह किया कि सुरक्षा बलों को बल प्रयोग करने के लिए कानूनी अधिकार दिया गया है। राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे के देश छोड़ने के बाद बुधवार को प्रधानमंत्री कार्यालय और संसद के मुख्य मार्ग पर प्रदर्शनकारियों की सुरक्षा बलों के साथ झड़प के बाद कम से कम 84 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया।

अवरोधकों को तोड़ने और प्रतिबंधित क्षेत्र में प्रवेश करने की कोशिश कर रही भीड़ पर पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे और पानी की बौछारें कीं। पश्चिमी प्रांत में हिंसा भड़कने के बाद प्रशासन ने बुधवार को कर्फ्यू लगा दिया। सुबह कर्फ्यू हटा लिया गया। लेकिन, हिंसा की आशंकाओं के बीच इसे फिर से लागू करना पड़ा क्योंकि राष्ट्रपति राजपक्षे ने अपने इस्तीफे पर कुछ नहीं कहा है। एक दिन पहले प्रदर्शनकारियों के एक समूह द्वारा संसद के प्रवेश द्वार पर धावा बोलने के प्रयास के बाद विरोध के उग्र होने की आशंका के मद्देनजर सुरक्षा बलों ने बृहस्पतिवार को संसद के सुरक्षा घेरे को मजबूत किया।

सेना ने एक बयान में प्रदर्शनकारियों से आग्रह किया कि वे ''सभी प्रकार की हिंसा से दूर रहें या नतीजे भुगतने के लिए तैयार रहें क्योंकि मानव जीवन को खतरे, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान की स्थिति में सशस्त्र बलों के सदस्यों को कानूनी रूप से बल का प्रयोग करने का अधिकार है।'' सेना ने कहा कि कार्यवाहक राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे, संसद के अध्यक्ष और राजनीतिक दल के नेताओं के साथ बैठक के दौरान सशस्त्र बलों और पुलिस के सभी प्रमुखों ने सर्वसम्मति से कहा कि शांतिपूर्ण विरोध से ताकत से नहीं निपटा जाना चाहिए बल्कि जब तक प्रदर्शनकारी हिंसा का सहारा नहीं लेते या सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान नहीं पहुंचाते, तब तक बल का न्यूनतम प्रयोग होना चाहिए।

सेना ने कहा, ''उन आश्वासनों के बावजूद प्रदर्शनकारियों के एक खास समूह ने अपने घोषित अहिंसक रुख से हटकर कानून और व्यवस्था का उल्लंघन जारी रखा और संसद परिसर के साथ-साथ अध्यक्ष के आधिकारिक आवास को घेरने की कोशिश करके हिंसा का सहारा लिया।'' सेना ने कहा कि सैन्यकर्मियों की बार बार अपील के बावजूद ''उपद्रवी भीड़'' ने जबरन संसद परिसर में दाखिल होने की कोशिश की और ड्यूटी पर तैनात जवानों पर लोहे की छड़ों, पत्थरों, हेलमेट अन्य चीजों से हमला किया जिससे कई सैनिक घायल हो गए।

रूस-यूक्रेन युद्ध से यूरोपीय अर्थव्यवस्था प्रभावित, महंगाई बढ़ी: यूरोपीय संघ

ब्रसेल्स। (एजेंसी)।

यूरोपीय संघ (ईयू) ने कहा है कि रूस-यूक्रेन युद्ध से आर्थिक पुनरुद्धार पर प्रतिकूल असर पड़ने की आशंका है। इससे ईयू के सदस्य देशों में इस साल निम्न आर्थिक वृद्धि दर के साथ महंगाई रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने का अनुमान है। एक अनुमान के अनुसार, 19 सदस्यीय यूरो क्षेत्र में मुद्रास्फीति इस साल औसतन 7.6 प्रतिशत पर पहुंचने का अनुमान है। यह पिछले अनुमान 6.1 प्रतिशत के मुकाबले काफी अधिक है। पिछले महीने उपभोक्ता कीमतों में सालाना आधार पर 8.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। लगा दी गई है।

वहीं आर्थिक वृद्धि दर 0.1 प्रतिशत घटकर 2.6 प्रतिशत पर आने की संभावना है। जबकि पिछले साल आर्थिक वृद्धि दर 5.3 प्रतिशत रही थी। यूरोपीय संघ (ईयू) के उपाध्यक्ष वाल्डिस डोम्ब्रोवस्की ने कहा, ''रूस-यूक्रेन युद्ध से यूरोप और हमारी अर्थव्यवस्था पर दीर्घकालीन प्रतिकूल असर पड़ेगा।'' युद्ध के कारण ऊर्जा और खाद्य कीमतों के दाम बढ़े हैं। इससे महंगाई में तेजी से वृद्धि हुई है और इसके कारण आर्थिक वृद्धि तथा उपभोक्ताओं का विश्वास प्रभावित हुआ है। ऐसी आशंका है कि अगर रूस प्राकृतिक गैस की आपूर्ति को और कम कर देता है या पूरी तरह से बंद कर देता है, तो ऊर्जा संकट की स्थिति और बिगड़ सकती है। यूरोपीय संघ ने बयान में कहा, ''आर्थिक गतिविधियों और मुद्रास्फीति के समक्ष युद्ध की स्थिति के कारण जोखिम है। विशेष रूप से यूरोप को होने वाली गैस आपूर्ति पर अगर इसका प्रभाव बढ़ता है, तो जोखिम बढ़ेगा।'' बयान के अनुसार, ऊर्जा के ऊंचे दाम और रिकॉर्ड महंगाई दर एक और कठिन साल का संकेत है। हाल में कोविड-19 मामलों में वृद्धि स्थिति को और बदतर बना रही है। यूरोपीय संघ के अनुसार, ''क्षेत्र में महामारी बढ़ने से अर्थव्यवस्था के समक्ष नई समस्याएं पैदा होंगी...।

जैक सुलविन ने कहा- इंडो पैसेफिक में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है भारत, आई2यू2 मिडल ईस्ट का बन सकता है केंद्रीय स्तंभ

टोयो (एजेंसी)।

नए आई2यू2 समूह का गठन एक ऐसा अहम विकास है जहां भारत के साथ अमेरिकी साझेदारी गेम चेंजर साबित हो सकती है। संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएस) के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने कहा है कि आई2यू2 - वह समूह जो भारत, इज़राइल, संयुक्त अरब अमीरात और अमेरिका को एक साथ लाता है और जैसे क्वाड इंडो-पैसिफिक में एक 'केंद्रीय स्तंभ' बन गया है, वैसे ही इसकी भी भूमिका मध्य पूर्व क्षेत्र में व्यापक है। अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने कहा कि बाइडेन 'खाद्य सुरक्षा पर जोर देने के साथ इज़राइल, संयुक्त अरब अमीरात और भारत के नेताओं के साथ चार तरफा वर्चुअल शिखर सम्मेलन आयोजित करेंगे।

गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रपति जो बाइडेन, इजरायल के पीएम यायर लापिड, और यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान पहले नेता-स्तरीय आई2यू2 शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। राष्ट्रपति बनने के बाद से बाइडेन इस क्षेत्र के अपने पहले दौरे पर हैं। यह पूछे जाने पर कि राष्ट्रपति की इज़राइल यात्रा पर पत्रकारों के साथ बातचीत के दौरान भारत को 'इतने सारे मुद्दों' में लाने का लक्ष्य क्या था और अमेरिका इसके साथ क्या हासिल करने की कोशिश की जा रही है इस पर सुलिवन ने पहले कहा कि भारत 'इंडो पैसेफिक में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

कश्मीर शहीद दिवस पर भारत के खिलाफ पाक पीएम शहबाज शरीफ ने भारत के खिलाफ फिर उगला जहर

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

कश्मीर का मुद्दा पाकिस्तान के लिए आज भी भावनाएं भड़काने का टूल बना है। अब प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कश्मीर शहीद दिवस के अवसर पर भारत के खिलाफ जमकर जहर उगला है। शहबाज ने यौम-ए-शुहादा-ए-कश्मीर पर कश्मीरियों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए झूठा आरोप लगाया कि भारत घाटी के लोगों पर अत्याातार कर रहा है। उन्होंने यह भी दावा किया कि कश्मीरियों ने 'आजादी की लौ' को जीवित रखा है। जबकि, सही बात यह है कि पाक अधिकृत कश्मीर में आए-दिन पाकिस्तानी सेना और सरकार के खिलाफ लोग सड़कों पर उतर रहे हैं। इन प्रदर्शनों को दबाने के लिए पाकिस्तानी सेना निहत्थे कश्मीरियों पर गोली चला रही है। पाकिस्तान सरकार का विरोध करने वाले पीओके के निवासियों को रातों रात गायब कर दिया जाता है।

शहबाज शरीफ ने ट्वीट किया कि कश्मीर शहीद दिवस उन बलिदानों की याद दिलाता है जो कश्मीरियों ने आत्मनिर्णय के अपने अटूट और संयुक्त राष्ट्र-स्वीकृत अधिकार के लिए दिए हैं। उन्होंने ट्वीट में झूठ पर झूठ बोलते हुए हुए दावा किया कि भारतीय 'अत्याचार' और 'उत्पीड़न' के सामने कश्मीरियों ने पीढ़ियों से स्वतंत्रता की लौ को जीवित रखा है। शहबाज शरीफ के बेटे और पंजाब सूबे के मुख्यमंत्री हमजा शहबाज ने भी कश्मीर के लोगों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने शेखी बघारते हुए दावा किया कि हमारा दिल बहादुर कश्मीरियों के साथ धड़कता है।

कश्मीर को लेकर जहर उगलने में पाकिस्तान का विदेश कार्यालय भी पीछे नहीं रहा। पाकिस्तानी विदेश कार्यालय ने कहा कि पाकिस्तान की सरकार और लोग शहीद दिवस मना रहे हैं। वे उन 22 कश्मीरियों को श्रद्धांजलि दे रहे हैं जिन्होंने डोगरा बलों के 1931 में उन पर अंधाधुंध बल का सामना करते हुए अंतिम बलिदान दिया था। कार्यालय ने यह भी कहा कि इस दुख के दिन पर हम नियंत्रण रेखा के दोनों ओर अपने कश्मीरी भाइयों के साथ 1931 के शहीदों के योगदान की स्मृति में शामिल होते हैं।

पाकिस्तानी विदेश कार्यालय इतने पर ही नहीं रुका। उसने कश्मीर को लेकर अपने पुराने आरोपों को दोहराते हुए प्रॉपगैंडा फैलाने की पूरी कोशिश की। कार्यालय ने दावा किया कि भारत 9 लाख सैनिकों के दम पर गलत तरीके से अपने कब्जे में बनाए हुए है। इतना ही नहीं, बयान में 5 अगस्त, 2019 का भी जिक्र किया गया है, जिस दिन भारत ने जम्मू और कश्मीर से अनुच्छेद 370 को खत्म करने का ऐलान किया था। पाकिस्तान ने दावा किया कि उस दिन भारत की अवैध और एकतरफा कार्रवाई कश्मीरी लोगों को उनकी विशिष्ट पहचान से वंचित करने और उन्हें अपनी ही भूमि में अल्पसंख्यक में बदलने का एक और प्रयास था।

कनाडा के विष्णु मंदिर में लगी महात्मा गांधी की प्रतिमा पर लिख गया 'खालिस्तान', भारत ने जताई नाराजगी

ओटावा (एजेंसी)।

भारत की तरफ से बुधवार को उस घटना पर चिंता जताई गई है, जिसमें कनाडा के एक हिंदू मंदिर में लगी महात्मा गांधी की प्रतिमा को विकृत करने का मामला सामने आया है। ओंटारियो शहर के रिचमंड हिल सिटी में बने मंदिर में ये तोड़फोड़ की घटना हुई है। पुलिस का कहना है कि इस मामले की जांच हेट क्राइम के तहत की जा रही है। लेकिन भारत ने अपने गुस्से के बारे में कनाडा की सरकार को जानकारी दे दी है।

जिस मूर्ति को खराब किया गया है कि वो योंगे स्ट्रीट और गार्डन एवेन्यू में बने विष्णु मंदिर में लगी है। यॉर्क रीजनल पुलिस की तरफ से इस मामले के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई है। ये प्रतिमा पांच मीटर ऊंची है और 13 जुलाई को ऑफिसर्स को स्थानीय समयानुसार 12:30 मिनट पर बुलाया गया था। यॉर्क पुलिस की तरफ से बताया गया है कि किसी ने गांधी की मूर्ति पर 'खालिस्तान' जैसे अपशब्द लिखे थे।

कनैडियन ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन (सीबीसी) की तरफ से सबसे पहले इस घटना की जानकारी दी गई थी। टोरंटो स्थित भारतीय कांसुलेट जनरल ने इस पर ट्वीट कर नाराजगी जताई है। इस ट्वीट में लिखा है रिचमंड हिल के विष्णु मंदिर में लगी गांधी की प्रतिमा को इस तरह से खराब करने पर हम खासे नाराज हैं। यह आपराधिक और नफरत से भरा कृत्य बहुत तकलीफ देने वाला है और इसने कनाडा में बसे भारतीय समुदाय की भावनाओं को चोट पहुंचाई है। हम लगातार कनैडियन अथॉरिटीज के संपर्क में हैं, ताकि इस हेट क्राइम की जांच की जा सके।

वहीं ओटावा में भारतीय हाई कमीशन ने कहा है कि भारत इस हेट क्राइम पर काफी नाराज है क्योंकि इसने भारतीय समुदाय को डराने का काम किया है। हाई कमीशन ने यह भी कहा है कि कनाडा की सरकार से संपर्क किया गया है और मांग की गई है कि जिसने भी ये अपराध किया है, उसे सजा सुनिश्चित की जाए। स्थानीय पुलिस की तरफ से भी इसे हेट क्राइम करार दिया गया है, जिसे गलत भावना के तहत अंजाम दिया गया। यॉर्क रीजनल पुलिस की

प्रवक्ता कॉन्स्टेबल एमी बॉन्ड्रेयू ने कहा किसी ने प्रतिमा पर 'रेपिस्ट' और 'खालिस्तान' जैसे शब्द लिखकर इसे बिगाड़ दिया था। यॉर्क पुलिस हेट क्राइम को बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने आगे कहा कि जिन्होंने भी नस्ल, राष्ट्रीयता, समुदाय, भाषा या लिंग को लेकर किसी को भी निशाना बनाया तो उसे कानून के तहत सख्त सजा दी जाएगी।

उपराष्ट्रपति चुनाव: विपक्षी दल रविवार को संयुक्त उम्मीदवार पर करेंगे चर्चा

नयी दिल्ली। उपराष्ट्रपति पद के चुनाव में संयुक्त उम्मीदवार उतारने के मुद्दे पर विपक्षी दल रविवार को चर्चा करेंगे। राज्यसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस के वरिष्ठ सदस्य मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि सभी विपक्षी दल रविवार को बैठक करेंगे और उपराष्ट्रपति चुनाव में संयुक्त उम्मीदवार के नाम पर चर्चा करेंगे। वर्तमान उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू का कार्यकाल 10 अगस्त को समाप्त हो रहा है। उपराष्ट्रपति चुनाव की अधिसूचना पहले ही जारी हो चुकी है और नामांकन की अंतिम तारीख 19 जुलाई है। चुनाव छह अगस्त को होगा।

सावन आते ही कांवड़ियों का बड़ी संख्या में हरिद्वार पहुंचने का सिलसिला शुरू

देहरादून। सावन माह के पहले दिन बृहस्पतिवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच कांवड़ यात्रा शुरू हो गयी और इसके साथ ही देश के विभिन्न राज्यों से कांवड़ियों का बड़ी संख्या में गंगा जल लेने के लिए हरिद्वार पहुंचने का सिलसिला भी शुरू हो गया। वैश्विक महामारी के कारण दो साल के अंतराल के बाद हो रही इस कांवड़ यात्रा में हालांकि कोई कोविड प्रतिबंध नहीं लागू किया गया है और अधिकारियों को उम्मीद है कि 26 जुलाई तक चलने वाली यात्रा के दौरान कम से कम चार करोड़ शिवभक्त गंगा जल लेने के लिए उत्तराखंड के हरिद्वार तथा आसपास के क्षेत्रों में पहुंचेंगे। प्रदेश के पुलिस महानिदेशक अशोक कुमार ने बताया कि कांवड़ यात्रा के लिए सभी इंतजाम कर लिए गए हैं और यात्रा के सुरक्षित संचालन के लिए पुलिस प्रतिबद्ध हैं। पिछले कुछ दिनों में कोविड के मामलों में हुई बढ़ोत्तरी के यात्रा पर प्रभाव के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि महामारी को लेकर सामान्य प्रोटोकॉल तो हैं ही लेकिन इसे लेकर कोई प्रतिबंध लागू नहीं रहेगा। उन्होंने कहा, ''सभी गतिविधियां खुल चुकी हैं, चारधाम यात्रा भी चल रही हैं। कहीं कोई प्रतिबंध नहीं है। हमारा मानना है कि लोग अपनी तरफ से सावधानियां बरतें और यात्रा करें।'' पुलिस महानिदेशक ने उत्तराखंड आने वाले कांवड़ियों से सुविधा के लिए पुलिस सिटीजन पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीकरण करवाने की भी अपील की। उन्होंने हालांकि स्पष्ट किया कि यह अनिवार्य नहीं है और केवल कांवड़ियों की सुविधा के लिए ही है। उन्होंने कहा, ''इन सबका आपको बहुत फायदा होगा। बहुत से लोगों के साथी बिछड़ जाते हैं या कोई घटना हो जाती है। अगर आप पंजीकृत होंगे तो हमारे लिए आपकी गाड़ी या घरवालों को तलाशना बहुत आसान होगा। मेरी अपील है कि पंजीकरण जरूर करें।'' उन्होंने बताया कि अब तक चार–पांच हजार लोग वेबसाइट पर पंजीकरण करवा भी चुके हैं। कांवड़ यात्रा के दौरान विभिन्न राज्यों खासतौर से उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, पंजाब तथा राजस्थान के शिव भक्त कंधे पर कांवड़ उठाकर हरिद्वार, ऋषिकेश तथा आसपास के क्षेत्रों से गंगा जल भर कर ले जाते हैं और उससे अपने यहां के मंदिरों में भगवान शिव का जलाभिषेक करते हैं।

बिहार पुलिस ने पीएफआई से संबंध रखने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया

पटना। बिहार पुलिस ने पटना के फुलवारी शरीफ इलाके से चरमपंथी संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई)के साथ संबंधों के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार करते हुए ''भारत विरोधी गतिविधियों में शामिल आतंकी मॉड्यूल'' का भंडाफोड़ करने का दावा किया है। फुलवारी शरीफ के अपर पुलिस अधीक्षक मनीष कुमार ने बताया कि बुधवार देर रात झारखंड के सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी मोहम्मद जलालुद्दीन और अतहर परवेज को गिरफ्तार किया गया। आरोपी पीएफआई से जुड़े हैं।'' उन्होंने कहा कि जलालुद्दीन पहले स्टूडेंट्स इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया (सिमी) से जुड़ा था। कुमार ने बताया कि जलालुद्दीन के मकान में स्थानीय लोगों को मार्शल आर्ट अथवा शारीरिक शिक्षा के नाम पर अस्त्र–शस्त्र का प्रशिक्षण देने एवं धार्मिक उन्माद फैलाने के लिए उन्हें उकसाने की बात सामने आयी है। उन्होंने कहा कि जांच में पता चला है कि दूसरे राज्यों से भी लोग पटना में उनसे मिलने आते थे और अपनी पहचान बदलकर पटना के होटलों में रहते थे।

पटियाला जेल में बंद अपने साथी कैदियों से परेशान नवजोत सिंह सिद्धू

लुधियाना। रोड रेस मामले में 1 साल की कैद की सजा काट रहे नवजोत सिंह सिद्धू पटियाला जेल में अपने साथी कैदी से परेशान हैं। इतना ही नहीं, सिद्धू ने अपने साथी कैदी पर कैंटीन कार्ड के गलत इस्तेमाल का भी आरोप लगा दिया है। हालांकि पहले यह दावा किया गया था कि जेल के सिद्धू की बैरक में बंद कैदियों ने उनके बर्ताव पर सवाल उठाए थे। कैदियों ने सिद्धू के साथ नहीं रहने की बात कही थी इसकारण 3 कैदियों को उनके बैरक से हटा दिया गया था। हालांकि जेल मंत्री हरजोत बैंस ने कहा है कि कैदियों के साथ सिद्धू का कोई विवाद नहीं हुआ था। इस बीच खबर हैं कि सिद्धू की पत्नी डॉक्टर नवजोत कौर ने बताया है कि वह फल खरीदने के लिए दो साथियों को अपने कार्ड देते थे। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि कैंटीन कार्ड रिचार्ज होने के कुछ दिनों के बाद 15000 रुपये की सीमा पूरी हो जाती थी। इसका कारण रहा कि सिद्धू की ओर से शिकायत की गई थी। पंजाब डीजीपी जेल हरप्रीत सिंह सिद्धू ने बताया है कि कांग्रेस नेता ने जेल अधिकारियों को यह बताया है कि एक कैदी साथी ने उनके कैंटीन कार्ड का गलत इस्तेमाल किया है। साथी कैदी को सिद्धू के वार्ड से शिफ्ट कर दिया गया है। हालांकि उन्होंने सिद्धू के साथी कैदियों के साथ बहस की खबरों को भी खंडित किया है। उन्होंने दावा किया कि कैदियों को शिफ्ट करना जेल प्रशासन का सामान्य रूटीन है ।

गुजरात में मिला दुर्लभ रक्त समूह का व्यक्ति, भारत का पहला और दुनिया का दसवां व्यक्ति

– व्यक्ति का ईएमएम निगेटिव ब्लड ग्रुप

अहमदाबाद । देश में एक बेहद दुर्लभ ब्लड ग्रुप मिला है। अभी तक हम चार प्रकार के ब्लड ग्रुप को जानते थे. ये हैं–ए, बी, ओ और एबी ब्लड ग्रुप होता हैं। लेकिन जो दुर्लभ ब्लड ग्रुप मिला है, उसका नाम है, ईएमएम निगेटिव गुजरात के राजकोट में 65 वर्षीय व्यक्ति के शरीर में यह दुर्लभ खून बहता है। व्यक्ति दिल की बीमारी से पीड़ित है। हैरानी ये है, कि इस दुर्लभ रक्त समूह के साथ यह भारत का पहला और दुनिया का दसवां व्यक्ति है। यानी दुनिया में सिर्फ 10 लोगों के पास यह ब्लड ग्रुप है। इंसान के शरीर में 42 अलग–अलग प्रकार के ब्लड सिस्टम्स मौजूद हैं। जैसे–ए,बी, ओ, आरएच और डफी है, लेकिन आमतौर पर चार ही ब्लड ग्रुप माने जाते हैं। ईएमएम निगेटिव ब्लड ग्रुप को 42वां ब्लड ग्रुप सिस्टम माना गया है। इस ब्लड ग्रुप के लोगों के शरीर में ईएमएम हाई–फ्रिक्वेंसी एंटीजन की कमी होती है। इस ब्लड ग्रुप के लोग न खून दान कर सकते हैं, न किसी से ले सकते हैं। सूरत स्थित ब्लड डोनेशन सेंटर के फिजिशियन डॉक्टर संमुख जोशनी ने कहा कि इस व्यक्ति को खून की जरूरत है। ताकि दिल की सर्जरी की जा सके। क्योंकि उन्हें हाल ही में दिल का दौरा पड़ा था। लेकिन सर्जरी के लिए खून नहीं है। जब डॉक्टरों ने जांच की तब पता चला कि यह 65 वर्षीय व्यक्ति देश कापहला ऐसा इंसान है, जिसके पास ईएमएम निगेटिव ब्लड ग्रुप मिला है। इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ ब्लड ट्रांसफ्यूजन (आईएसबीटी) ने इस रक्त समूह का नाम ईएमएम निगेटिव इसकारण रखा है, क्योंकि इसमें ईएमएम नहीं होता। ईएमएम लाल रक्त कोशिकाओं में एंटीजन होता है।

सोनिया से ईडी की पूछताछ के विरोध में 21 को राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शन करेगी कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस नेताओं ने एक बैठक में केंद्र सरकार के खिलाफ 21 जुलाई को देशव्यापी विरोध प्रदर्शन करने का फैसला किया है। नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी 21 जुलाई को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सामने पेश होने वाली हैं, जिसके विरोध में कांग्रेस ने राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शन करने का फैसला लिया है। पार्टी की ओर से एक और अहम बैठक बुलाई गई है, जहां सभी महासचिव, प्रदेश प्रभारी और पीसीसी प्रमुख 'भारत जोड़ो यात्रा' और अन्य संगठनात्मक कार्यक्रमों पर चर्चा करेंगे। बैठक में शीर्ष नेता विरोध मार्च और अन्य जनसंपर्क कार्यक्रमों पर चर्चा करेंगे। उधर 18 जुलाई से शुरू हो रहे संसद के मानसून सत्र के साथ ही कांग्रेस के सांसद संसद परिसर के अंदर सरकार के इस कदम के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करेंगे। बैठक के बाद कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी फाइटर हैं। वह इन चीजों से नहीं डरती हैं। उन्होंने ऐसी बहुत सी चीजें देखी हैं। वह ईडी कार्यालय जाएंगी और इस वर्तमान सरकार का सामना करेंगी। प्रवर्तन निदेशालय ने कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी को नेशनल हेराल्ड मामले के संबंध में पूछताछ के लिए तलब किया है, जिसमें कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खड़गे और पवन बंसल से पहले ही पूछताछ की जा चुकी है। इससे पहले ईडी ने पिछले महीने जून में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और वायनाड के सांसद राहुल गांधी से इस मामले में पांच दिनों से अधिक समय तक पूछताछ की और उस दौरान भी कांग्रेस पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने ईडी और भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के खिलाफ प्रतिशोध की राजनीति का आरोप लगाते हुए विरोध किया।

भाजपा द्रौपदी मुर्मू की जीत का जश्न देश के 1 लाख 30 हज़ार आदिवासी गांवों में मनाएगी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

देश में 18 जुलाई को राष्ट्रपति चुनाव होने है और आधिकारिक रूप से जैसे ही एनडीए उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू की जीत की घोषणा होगी वैसे ही भाजपा पूरे देश में भव्य जश्न मनाएगी। ख़ास तौर पर एसटी समुदाय यानि आदिवासी समुदाय के देश भर के क़रीब 1 लाख 30 हज़ार गांवों में भव्य जश्न मानने के निर्देश भाजपा आलाकमान ने पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को दे दिए हैं। इसके साथ ही देश के हर मंडल में भी द्रौपदी मुर्मू की जीत का जश्न भाजपा मनायेगी। करीब 15 हज़ार मंडल में जश्न मनाने की तैयारी भाजपा कर रही है। सूत्रों के मुताबिक़ भाजपा की योजना है कि देश की पहली आदिवासी महिला की सर्वोच्च पद पर जीत का संदेश पूरे देश में तो जाये ही लेकिन ख़ास तौर पर आदिवासी समुदाय में भी जाना चाहिए। दरअसल भाजपा चाहती है कि अभी तक मुख्य धारा से कटे इस समुदाय को जोड़ने के लिए ये जीत एतिहासिक तो होगी ही लेकिन राजनीतिक तौर पर भी ये मैसेज जाये कि प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा ही ऐसी पार्टी है जो सत्ता के लिए नहीं बल्कि देश के वंचित तबकों और वर्गों के लिए काम करते हैं।

लिहाजा देश के एसटी समुदाय के क़रीब 1 लाख 30 हज़ार गांवों में विशेष रूप जश्न मनाने के निर्देश दिए गये हैं। 21 जुलाई को मुर्मू की जीत की घोषणा होते ही देश के करीब 15 हज़ार मंडलों सहित इन आदिवासी गांवों में ढोल नगाड़ों के साथ द्रौपदी मुर्मू के होर्डिंग, पोस्टर लगाने के निर्देश दिए गए हैं। सूत्रों के अनुसार इस दिन मुर्मू के अलावा और किसी भी नेता का पोस्टर ना लगाने के भी निर्देश दिए गये हैं। इससे पहले बीजेपी ने बुधवार को राष्ट्रीय मुख्यालय में राष्ट्रपति चुनाव की वोटिंग के लिए एक वर्कशॉप का आयोजन किया। इस वर्कशॉप में हर प्रदेश के पोलिंग एजेंट को बुलाया गया और इन पोलिंग एजेंट को वोटिंग के लिए प्रशिक्षण दिया गया कि वोटिंग के दौरान हर छोटी छोटी बात का ध्यान कैसे रखना है। राष्ट्रीय संगठन मंत्री बीएल संतोष, केन्द्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव और राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े ने इस वर्कशॉप में बीजेपी नेताओं को प्रशिक्षित किया। सूत्रों के मुताबिक़ वर्कशॉप में एक डमी बैलेट पेपर सभी को दिया गया और सभी नेताओं को समझाया गया कि उसका प्रयोग करके वोट कैसे देना है।

वर्कशॉप में ये भी बताया गया कि वोट करते समय अपने मोबाइल और पेन बाहर ही रखने हैं कोई भी सांसद, विधायक इनको अंदर ले जाने की गलती ना करें। वोटिंग के दौरान कोई चूक नहीं होनी चाहिए इसको लेकर बीजेपी नेतृत्व काफ़ी गंभीर है क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी की तरफ़ से मैसेज गया है कि 100 प्रतिशत वैलिड वोटिंग होनी चाहिए और एक भी वोट ख़राब नहीं होना चाहिए। इसके अलावा 16 जुलाई को हर प्रदेश में बीजेपी ने अपने विधायक दल की मीटिंग बुलाई हैं जहां पर प्रशिक्षित पोलिंग एजेंट बाक़ी सभी विधायकों को वोट डालने के लिए ट्रेनिंग देंगे और इस प्रशिक्षण में अगर कोई विधायक मौजूद नहीं रहता है तो उसकी जानकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष के कार्यालय में देने के निर्देश भी दिए गये हैं। इसके साथ ही सभी सांसद दिल्ली में वोट डालेंगे।

जो व्यक्ति उप राष्ट्रपति रह चुका हो, उसके खिलाफ कुछ भी ऊल जुलूल बकवास बोला जा रहा : कांग्रेस

नई दिल्ली । पूर्व उप राष्ट्रपति हामिज अंसारी को लेकर पाकिस्तानी पत्रकार के खुलासे के बाद बीजेपी कांग्रेस पर हमलावर हो गई है। वहीं अब इस लेकर कांग्रेस की तरफ से प्रतिक्रिया सामने आई है। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा है कि देश के हालात इसतरह के हैं, कि पूर्व उपराष्ट्रपति के खिलाफ कुछ भी कहा जा सकता है लेकिन जो अभी तक राष्ट्रपति नहीं बना है, उसकी राजनीतिक विचारधाराओं के खिलाफ कुछ नहीं कहा जा सकता। कांग्रेस प्रवक्ता खेड़ा ने कहा कि जो व्यक्ति उप राष्ट्रपति रह चुका है, उनके खिलाफ आप कुछ भी ऊल जुलूल बकवास कर दें, लेकिन जो अभी राष्ट्रपति बनी भी नहीं हैं, उनकी राजनैतिक विचारधारा के खिलाफ किसी ने कुछ बोल दिया, तब आप उसके पीछे पड़ जाएँ? ये क्या हाल बना दिया है देश का? तत्कालीन उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी द्वारा कथित तौर पर कई मौकों पर भारत आने वाले एक पाकिस्तानी पत्रकार के दावों पर भाजपा ने सोनिया गांधी की भूमिका पर सवाल उठाए हैं। पाक पत्रकार ने दावा किया कि उसने आईएसआई तक गोपनीय और संवेदनशील जानकारी पहुंचाई थी। बीजेपी ने इस लेकर सवाल उठाए। इसके बाद हामिद अंसारी ने आरोपों को खारिज कर कहा कि उन्होंने उस व्यक्ति को कभी आमंत्रित नहीं किया और उनके सभी निमंत्रण सरकार की सलाह पर थे। कांग्रेस नेता अजय कुमार ने विवादित बयान दिया है। बयान में कहा गया है कि एनडीए के राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू 'भारत के बहुत बुरे दर्शन' का प्रतिनिधित्व करती हैं और उन्हें 'आदिवासी का प्रतीक' नहीं बनाया जाना चाहिए।

'आरएसएस चाहती है कि भारत का एक धर्म हो', औवैसी बोले- केवल दो बच्चों वाली नीति नहीं चलेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

विश्व जनसंख्या दिवस के दिन में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा दिए गए बयान को लेकर राजनीतिक बवाल जारी है। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने भी जनसंख्या को लेकर अपनी राय रखी थी। अब किसी पर एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी का बयान सामने आया है। असदुद्दीन ओवैसी ने साफ तौर पर कहा है कि भारत में दो बच्चों वाली नीति नहीं चलेगी। यहां की जनसंख्या अपने आप गिर रही है। न्यूज़ एजेंसी एएनआई के मुताबिक असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि अगर भारत सरकार दो बच्चों का मानदंड का बिल लाएगी तो मैं उसका बिलकुल समर्थन नहीं करुंगा क्योंकि यह भारत के बिलकुल हक में नहीं होगा। भारत की जनसंख्या अपने आप गिर रही है और 2030 तक यह स्थिर हो जाएगी।

औवैसी ने आगे कहा कि भारत की 50प्र. आबादी 25 वर्ष से कम उर्म के युवाओं की है, उनके लिए मोदी सरकार ने क्या किया? बेरोज़गारी इस देश का ज्वलंत मसला है। उन्होंने सवाल किया कि धर्म परिवर्तन से भारत का क्या ताल्लुक? भारत का कोई धर्म है? इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि आरएसएस चाहती है कि भारत का एक धर्म हो। हैदराबाद से सांसद ने कहा कि हिंदुत्व और भारतीयता एक नहीं है। भारत कई धर्मों से मिलकर बना यहां कोई धर्म परिवर्तन करना चाहता है तो कर सकता है। इसके साथ ही उन्होंने सवाल किया कि आखिर एक समुदाय के प्रति इतनी नफरत क्यों फैलाई जाती है?

मोहन भागवत ने क्या कहा था

मोहन भागवत ने कहा है कि सिर्फ खाना और आबादी बढ़ाना पशुओं का काम है। मनुष्य की निशानी दूसरों की रक्षा करना है। मोहन भागवत ने अपने संबोधन में कई मुद्दों पर विस्तार से बात की। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि शक्तिशाली ही जिंदा रहेगा, यह जंगल का नियम है। लेकिन जब शक्तिशाली दूसरों की रक्षा करने लगे तो यह मनुष्य की निशानी है। उन्होंने कहा कि सिर्फ खाना और आबादी बढ़ाना यह काम तो जानवर भी कर सकते हैं। मनुष्य के कई कर्तव्य होते हैं, जिनका निर्वाहन उन्हें समय-समय पर करते रहना चाहिए।

चार साल बाद धर्मशाला से लद्दाख की यात्रा पर दलाई लामा, बढ़ेगा पड़ोसी चीन का ब्लड प्रेशर

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

तिब्बती आध्यात्मिक नेता दलाई लामा ने आज से जम्मू-कश्मीर और लद्दाख की दो दिवसीय यात्रा शुरू की है। कोविड-19 महामारी के प्रकोप के बाद से धर्मशाला में अपने बेस के बाहर उनका ये अपना पहला आधिकारिक दौरा है। ये दौरा भारत और चीन के बीच कोर कमांडर स्तर की 16वें दौर की बैठक से ठीक तीन दिन पहले भी हो रहा है, जिसके 17 जुलाई से शुरू होने की उम्मीद है। अपने दौरे के दौरान दलाई लामा के लेह में मठ के प्रसिद्ध ठिकसे से मिलने की उम्मीद है। तिब्बती आध्यात्मिक नेता की यात्रा से चीन के परेशान होने की संभावना है। हाल ही में अपना 87 वां जन्मदिन मनाने वाले दलाई लामा को पीएम मोदी द्वारा शुभकामनाएं देने के लिए बीजिंग ने हाल ही में आलोचना की थी। चीन ने कहा गया था कि भारत को चीन के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करने के लिए तिब्बत से संबंधित मुद्दों का उपयोग करना बंद कर देना चाहिए। चीन की प्रतिक्रिया पर भारतीय विदेश मंत्रालय ने भी करारा जवाब देते हुए कहा था कि दलाई लामा को भारत में अतिथि के रूप में मानने की सरकार की लगातार नीति रही है।

योगी का बड़ा एक्शन, हाजी याकूब कुरैशी की 100 करोड़ रुपये से ज्यादा की संपत्ति कुर्क

–मायावती सरकार में रहे चुके मंत्री

मेरठ (एजेंसी)।

मेरठ जिला प्रशासन ने एक मुकदमे में फरार चल रहे उत्तरप्रदेश के पूर्व मंत्री एवं बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के वरिष्ठ नेता हाजी याकूब कुरैशी की 100 करोड़ रुपये से ज्यादा की संपत्ति बुधवार को कुर्क कर ली। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) केशव कुमार ने बताया कि पिछली 31 मार्च को हापुड़ रोड स्थित कुरैशी की फैक्ट्री अल फहीम मीटेक्स प्राइवेट लिमिटेड में पुलिस-प्रशासन व कई अन्य विभागों की संयुक्त कार्रवाई में करीब पांच करोड़ रुपये कीमत का अवैध मांस पकड़ा गया था। उन्होंने बताया कि पुलिस ने अवैध तरीके से मांस की पैकिंग करते 10 कर्मचारियों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया था। इस मुकदमे में याकूब कुरैशी, उनकी पत्नी संजीदा बेगम, बेटे इमरान और फिरोज सहित 17 लोगों को नामजद आरोपी बनाया गया था। उन्होंने बताया कि कुरैशी के घर पर कुर्की वारंट चस्पा किया गया था, जिसमें आदेश दिया था कि कुरैशी अपने परिवार के साथ अदालत में पेश हो जाएं, लेकिन उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। उन्होंने बताया कि इसी मामले में हाजी याकूब कुरैशी और उनके दोनों बेटे फरार हैं। कुमार ने बताया कि पुलिस प्रशासन की टीम ने बहुजन समाज पार्टी के वरिष्ठ नेता पूर्व मंत्री कुरैशी की कोठी और फैक्ट्री पर कुर्की की कार्रवाई शुरू की। उन्होंने बताया कि इस दौरान 100 करोड़ रुपये से ज्यादा की संपत्ति पुलिस ने कुर्क कर ली है।

पाकिस्तानियों को नहीं, कश्मीरियों को घर में घुसकर मारा जा रहा है: महबूबा का बड़ा आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)।

फारूक अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती अपना पाकिस्तान राग अलापना कभी नहीं छोड़ते। जम्मू-कश्मीर में बदले माहौल में तेज तरक्की हो रही है लेकिन इन दोनों नेताओं को लगता है कि हालात बहुत खराब हैं। शायद इनके लिए हालात इसलिए खराब हों क्योंकि अब वहां भ्रष्टाचार की कोई जगह नहीं रह गयी है, इन नेताओं के लिए हालात शायद इसलिए खराब हो रहे होंगे कि अब राजनीति और प्रशासन में परिवारवाद और भाई-भतीजावाद की कोई जगह नहीं रह गयी है। जम्मू-कश्मीर में दशकों तक राज करने और इस पूरे क्षेत्र को विकास से दूर रखने वाले यह नेता अपने खराब हालात को केंद्र शासित प्रदेश के हालात से जोड़ देते हैं इसलिए इन्हें सब कुछ खराब ही खराब दिखता है।

बहरहाल, बात पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती के ताजा बयान की करें तो उन्होंने मोदी सरकार पर बरसते हुए कहा है कि आज देश में जो माहौल बना दिया गया है वैसा कभी नहीं था। उन्होंने कहा कि इन लोगों ने नारा दिया था कि घर में घुस कर मारेंगे। महबूबा ने कहा कि पाकिस्तानियों को तो पता नहीं लेकिन कश्मीरियों को जरूर घर में घुस कर मारा जा रहा है।

यही नहीं महबूबा ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि वह एक समिति द्वारा सिफारिश की गई संख्या से कहीं अधिक श्रद्धालुओं को दर्शन की अनुमति देकर अमरनाथ यात्रा को ''राजनीतिक मुद्दा'' बना रही है। पीडीपी प्रमुख ने आरोप लगाया कि गत शुक्रवार को बादल फटने की घटना में मरने वालों की वास्तविक संख्या को प्रशासन छिपा रहा है। उन्होंने कहा, ''हमें अब तक नहीं पता क्योंकि वे सच छिपा रहे हैं। वे कह रहे हैं कि 15-16 लोगों की मौत हुई है, लेकिन कई लोग अब भी लापता हैं। मलबे से मरे हुए घोड़े और मोटरसाइकिलें निकल रही हैं और अब भी कई लोग लापता हैं। जितना बताया जा रहा है, उससे कहीं बड़ी यह क्षति प्रतीत हो रही है।''

महबूबा ने आरोप लगाया, ''ऐसा लगता है कि जम्मू-कश्मीर उनका नहीं है, बल्कि किसी पड़ोसी का है। वे हमारे विलय को स्वीकार नहीं करते जो समान स्तर पर किया गया। वे मानते हैं कि हम किसी और इलाके के हैं जिस पर उन्होंने अब कब्जा किया है।'

दूसरी ओर, नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने कहा है कि कश्मीर में आतंकवाद तब तक खत्म नहीं होगा जब तक कि सरकार घाटी में लोगों का दिल नहीं जीत लेती और पाकिस्तान से बात करके समाधान नहीं ढूंढ़ लेती। मंगलवार को श्रीनगर में आतंकवादियों द्वारा एक पुलिस अधिकारी की हत्या की निंदा करते हुए उन्होंने कहा कि जब तक कश्मीर मुद्दे का समाधान नहीं हो जाता, तब तक लोग मरते रहेंगे।

हंगामेदार हो सकता है संसद का मानसून सत्र, बुलडोजर एक्शन, अग्नीपथ योजना जैसे मुद्दों पर सरकार को घेरेगा विपक्ष

नई दिल्ली (एजेंसी)।

संसद का मानसून सत्र 18 जुलाई से शुरू होकर 13 अगस्त तक चलेगा। संसद सत्र के हंगामेदार रहने के आसार जताए जा रहे है। माना जा रहा है कि विपक्ष इस सत्र के दौरान सरकार को कई मुद्दों पर घेरने की कोशिश करेगा। जिन मुद्दों पर विपक्ष सरकार के खिलाफ सबसे ज्यादा हमलावर रह सकता है उनमें बुलडोजर एक्शन, अग्निपथ योजना, दंगे और पुलिस की गोलीबारी के साथ-साथ जम्मू कश्मीर में प्रवासियों पर हमले शामिल हैं। सूचना का अधिकार कार्यकर्ताओं की सुरक्षा, 2021 की जनगणना की स्थिति और विधिविरुद्ध क्रियाकलाप निवारण अधिनियम के तहत दर्ज मामलों के मुद्दे भी सांसदों के द्वारा उठाए जा सकते हैं। हालांकि दावा किया जा रहा है कि दो मसलों को लेकर विपक्ष सबसे ज्यादा हंगामा कर सकता है वह है अग्नीपथ योजना और बुलडोजर एक्शन।

मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश सहित कुछ राज्यों में कई ऐसी घटनाएं सामने आईं जिनमें कथित तौर पर उग्र प्रदर्शनों में शामिल रहने वालों के घरों को प्राधिकारियों द्वारा ध्वस्त कर दिया गया प्राधिकारियों का दावा था कि इन मकानों का निर्माण अवैध तरीके से हुआ था और जमीन संबंधी दस्तावेजों में भी अनियमितताएं थीं। ''अर्धसैनिक बलों में अग्निवीरों के लिए आरक्षण'' का मुद्दा हालांकि अतारांकित प्रश्न के माध्यम से सूचिबद्ध किया गया है लेकिन इस बात की पूरी संभावना है कि विपक्षी दल इस मुद्दे को अन्य माध्यमों से भी उठाएं। केंद्र सरकार ने 14 जून को सेना में साढ़े 17 वर्ष से 21 वर्ष के युवाओं की रक्षा सेवाओं में भर्ती के लिए महत्वाकांक्षी ''अग्निपथ'' योजना आरंभ किए जाने की घोषणा की थी। इसके तहत सैनिकों की भर्ती चार साल की लघु अवधि के लिए संविदा आधार पर की जाएगी और भर्ती होने वाले सैनिकों को 'अग्निवीर' नाम दिया जाएगा। चार साल की सेवा के बाद 25 प्रतिशत अग्निवीरों को ही नियमित सेवा में रहने का मौका दिया जाएगा। इस योजना के विरोध में देश के कई हिस्सों में हिंसक विरोध प्रदर्शन भी हुए थे।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने घोषणा की है कि केंद्रीय अर्धसैनिक बलों में 10 नौकरियों में अग्निवीरों को आरक्षण दिया जाएगा। संसद के इस सत्र के दौरान अर्धसैनिक बलों के परिवारों को मुआवजा दिए जाने, नक्सली हमले, दंगे, कर्फ्यू और पुलिस की गोलीबारी की वारदात, सीमापार से मादक द्रव्यों की तस्करी, आतंकवादी हमलों की घटनाएं जैसे मुद्दे भी उठाए जाने की संभावना है। अर्धसैनिक बलों में नियुक्ति में हो रही देरी, जम्मू एवं कश्मीर में आतंकी घटनाएं, भारी बारिश के कारण हुई जान व माल की क्षति, केंद्र शासित लद्दाख में बेराजगारी का मुद्दा, जम्मू एवं कश्मीर में भूमि अधिग्रहण जैसे कुछ मुद्दे भी संभावित प्रश्नों के रूप में सूचिबद्ध हैं। समाज में बढ़ती धार्मिक कट्टरता, अर्धसैनिक बलों के कर्मियों का मानसिक स्वास्थ्य, बाढ़ व चक्रवातों से हुए नुकसान, केंद्र व राज्यों के संबंधों, जम्मू एवं कश्मीर में रोजगार की दर और अनुसूचित जाति व जनजाति के लोगों के खिलाफ अपराध के मामलों जैसे मुद्दे भी संसद के दोनों सदनों में उठाए जा सकते हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गुजरात में तीन दिन भारी से अतिभारी बारिश की संभावना,9 जिलों में रेड अलर्ट

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गुजरात में खासकर सौराष्ट्र और दक्षिण गुजरात में भारी बारिश से बड़े पैमाने पर तबाही हुई है। राज्य के 9 जिलों में अब भी भारी से अतिभारी बारिश के चलते रेड अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने आगामी 3 दिन राज्य में भारी से अतिभारी बारिश की संभावना व्यक्त की है। दक्षिण गुजरात के सूरत, नवसारी, वलसाड, तपी, डांग के साथ ही केन्द्र शासित प्रदेश दमन के अलावा सौराष्ट्र के भावनगर, जूनागढ़, गिर सोमनाथ में रेड अलर्ट जारी किया गया है। इसके अलावा सौराष्ट्र के अमरेली, पोरबंदर, दीव, दक्षिण गुजरात के भरूच, नर्मदा, मध्य गुजरात के वडोदरा और छोटाउदेपुर समेत 14 जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। भारी बारिश की संभावना के चलते मछुआरों को समुद्र में नहीं जाने की चेतावनी दी है। वहीं जूनागढ़, अमरेली और गिर सोमनाथ में स्कूल-कॉलेजों में अवकाश घोषित किया गया है। दूसरी ओर भारी बारिश के कारण नवसारी का 30 प्रतिशत हिस्सा जलमग्न है। भारी बारिश के चलते नवसारी की तीन नदियों में बाढ़ आ गई है। दक्षिण गुजरात में लगातार हो रही बारिश के कारण अहमदाबाद-मुंबई नेशनल हाईवे पर बरसाती पानी भर जाने की वजह से सुरक्षा की लिहाज से चीखली आलीपोर से ओलपाड तक हाईवे बंद कर दिया गया है। नवसारी जिला कलेक्टर ने लोगों से फिलहाल इस हाईवे पर आवागमन नहीं करने की अपील की है। नवसारी जिले में बाढ़ से हजारों को लोग प्रभावित हैं। अब तक 14 हजार से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। नवसारी के नवीननगर से एनडीआरएफ की 8 लोगों को रेस्क्यू किया गया है। वांसदा तहसील के प्रतापनगर गांव में फंसे 21 लोगों का भी एनडीआरएफ ने रेस्क्यू किया है। हालात को देखते हुए नदी किनारे पुलिस जवानों को तैनात कर दिया गया है। वांसदा-वघई रास्ते पर नानी वघई के निकट सड़क के जलमग्न होने से नेशनल हाईवे बंद कर दिया गया है। यह हाईवे डांग के जरिए गुजरात को महाराष्ट्र को जोड़ता है। इस हाईवे के बंद होने से ट्रांसपोर्ट समेत नौकरीपेशा लोगों के लिए आवागमन करना मुश्किल हो गया है।

24 घंटों में दक्षिण गुजरात के नवसारी के वांसदा और वलसाड के कपराड में 15 ईंच बारिश

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गुजरात में पिछले 24 घंटों में मौसम की औसत 50 प्रतिशत से अधिक बारिश हुई है। दक्षिण गुजरात के नवसारी जिले की वांसदा और वलसाड की कपराडा तहसील में सबसे अधिक 15 ईंच बारिश दर्ज हुई। राज्य की अन्य 40 तहसीलों में भारी बारिश हुई है। राज्य के स्टेट इमर्जंसी ऑपरेशन सेंटर से मिली जानकारी के मुताबिक 24 घंटों के दौरान दक्षिण गुजरात की वांसदा और कपराडा में सबसे ज्यादा 15 ईंच बारिश हुई है। धरमपुर, पारडी, सुबीर, वापी, वघई, खेरगाम, डोलवण, उमरगाम समेत 8 तहसीलों में 9 ईंच बारिश दर्ज हुई। नांदोद, आहवा, डभोई, करजण, वलसाड, सूत्रापाडा, कोडीनार, गिर गढ़डा और वालोड समेत 9 तहसीलों में 5 ईंच से भी ज्यादा

बारिस हुई। इसके अलावा डेडियापाडा, चीखली, वंथली, गोधरा, विसावदर, केशोद, तारापुर, मांगरेल, कडाणा, महुवा, नवसारी, खंभात, गणदेवी, नेत्रंग, जांबुघोडा, ऊना, छोटाउदेपुर, जलालपोर, पोरबंदर, सांतलपुर, अमरेली, कल्याणपुर, माळिया, वेरावल, सागबारा, वडिया, जेतपुर पावी, जामकंडोरणा, पलसाणा, व्यारा, धारी, विजापुर, जंबुसर और पाटन समेत राज्य की 34 तहसीलों में 2 ईंच से अधिक और 40 तहसीलों में एक ईंच से भी बारिश दर्ज हुई है। इसी के साथ गुजरात में अब तक मौसम की कुल औसत 50 प्रतिशत बारिश हो चुकी है। जिसमें कच्छ में सबसे अधिक 97.76 प्रतिशत, दक्षिण गुजरात में 64.36 प्रतिशत, सौराष्ट्र में 51.18 प्रतिशत, पूर्व गुजरात में 41.10 प्रतिशत और उत्तर गुजरात में 27.48 प्रतिशत मौसम की बारिश हुई है।

अहमदाबाद-मुंबई नेशनल हाईवे बंद किया गया, हाईवे पर लगा पांच किलोमीटर लंबा जाम

जलभराव से सूरत और नवसारी सड़कें कटी, हाईवे और अंदरूनी रास्ते बंद

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

भारी बारिश में दक्षिण गुजरात का नवसारी और वलसाड जिले पानी पानी हो गए हैं। जलभराव के कारण अहमदाबाद से मुंबई को जोड़ने वाला नेशनल हाईवे नंबर 8 को बंद कर दिया गया है। नवसारी-वलसाड के बीच हाईवे बंद किए जाने से महाराष्ट्र की ओर से आनेवाले वाहनों को वापी में बेरिकेड लगाकर रोक दिया गया है। नतीजतन नेशनल हाईवे पर करीब 5 किलोमीटर लंबा जाम लग गया है। वलसाड और चीखली के बीच नेशनल हाईवे 8 पर जलजमाव होने के कारण वापी से सूरत की ओर जानेवाले रोड को बंद कर दिया गय है। वापी सर्कल स्थित ब्रिज पर पुलिस ने बेरिकेट्स लगाकर मुंबई से आ रहे वाहनों को रोका जा रहा है। मुंबई-अहमदाबाद को जोड़ते नेशनल हाईवे 8 को बंद किए जाने से सैंकड़ों वाहनों की कतार लग गई है। ट्रैफिक जाम होने से अनेक लोग हाईवे पर फंस गए हैं। बता दें कि भारी बारिश के चलते नवसारी जिले का करीब 30 प्रतिशत हिस्सा जलमग्न हो गया है। भारी बारिश के कारण नवसारी की तीन नदियों में बाढ़ आ गई है और इसे लेकर प्रशासन हाईअलर्ट पर है। दक्षिण गुजरात में लगातार हो रही भारी बारिश के चलते नवसारी जिले में अहमदाबाद-मुंबई नेशनल हाईवे पर बरसाती पानी भर जाने से नवसारी जिला कलेक्टर ने लोगों की सुरक्षा के लिए चीखली आलीपोर से वलसाड तक हाईवे पर ट्रैफिक बंद करने का आदेश दिया है। कलेक्टर ने सभी लोगों से अपील की है कि वे इस हाईवे से आवाजाही का प्रयास न करें।

दक्षिण गुजरात के सूरत और नवसारी सड़कों पर गुरूवार को भारी बारिश हुई। सूरत शहर में दिन भर 1.5 से 2 इंच बारिश हुई है। जिले में बारडोली में 3 इंच और चोर्यासी में 4 इंच बारिश हुई. सबसे ज्यादा छह इंच बारिश तापी जिले के डोलवान में दर्ज की गई। सूरत शहर और जिले को मौसम विभाग द्वारा रेड अलर्ट दिया गया है। गुरूवार को पूरे दिन बारिश होती रही। शहर के सभी जोन में 1.5 से 2 इंच बारिश हुई।

सूरत शहर में सुबह छह बजे से शाम छह बजे तक शहर के मध्य क्षेत्र में 31 मिमी, रांदेर में 26 मिमी, कटारगाम में 26 मिमी, वराछा ए क्षेत्र में 29 मिमी, वराछा बी क्षेत्र में 26 मिमी, लिंबायत में 27 मिमी बारिश हुई। , अथा में 32 मिमी, उधना में 50 मिमी।। जबकि सूरत जिले में बारडोली में 88 मिमी, चोर्यासी में 96 मिमी, कामराज में 36 मिमी, महुवा में 56 मिमी, मांडवी में 22 मिमी, मांगरोल में 7 मिमी, ओलपाड में 7 मिमी, पलसाना में 47 मिमी, सूरत शहर में 31 मिमी .

मुंबई से आने-जाने वाले सभी वाहनों को हाईवे पर रोक दिया गया है.उकाई की सतह 327 फीट तक पहुंच गई है

उकाई बांध को 53282 क्यूसेक पानी मिल रहा है। उकाई बांध की सतह 327 फीट के करीब पहुंच गई है। वर्तमान में काकरापार बांध से तापी नदी में 5000 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है।

बाढ़ प्रभावित लोगों को सूरत हवाई अड्डे से आश्रय गृह तक पहुंचाने के लिए नवसारी के गुर्दा भवन में व्यवस्था की गई थी । हवाई अड्डे पर चार मेडिकल टीमों और चार एम्बुलेंस की व्यवस्था की गई थी। सिविल के किडनी भवन की चौथी मंजिल पर प्रभावितों के लिए डी-वार्ड तैयार किया

सूरत दमकल विभाग की टीम को बचाव के लिए भेजा गया है। नवसारी में बाढ़ की स्थिति पैदा हो गई है। सूरत नगर अग्निशमन विभाग की एक टीम को बचाव कार्य के लिए बाढ़ प्रभावित इलाके में भेजा गया है। बचाव दल में एक अधिकारी, बचाव वाहन, दमकल की नाव को लेकर बचाव अभियान चलाया जा रहा है.

डूंगरी-बिलिमोरा सेक्शन पर ट्रेन का संचालन 2 घंटे तक बाधित रहा और प्रभावित इलाकों में और आसपास बाढ़ से भी ट्रेन संचालन प्रभावित हुआ। इसे शाम 7:40 बजे से बंद करना पड़ा। मुंबई-अहमदाबाद के बीच अप और डाउन दोनों लाइनों पर ट्रेनों को अलग-अलग स्टेशनों पर रोका गया. लंबी दूरी की ट्रेनों के साथ-साथ मेमू ट्रेनों को सूरत, उधना, वडोदरा और भरूच सहित रेलवे स्टेशनों पर रोक दिया गया।